सोशल मीडिया से जुड़ें
Parivehan_Vishesh

RNI No :- DELHIN/2023/86499
DCP Licensing Number :
F.2 (P-2) Press/2023

www.newsparivahan.com

परिवहन विशेष

वर्ष 02, अंक 292, नई दिल्ली । मंगलवार, 31 दिसम्बर 2024, मूल्य ₹ 5, पेज 8

देश का पहला ट्रांसपोर्ट दैनिक समाचार पत्र

आज का सुविचार

अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।

03 दिल्ली के बुजुर्गों को मिला संजीवनी योजना का कवच

06 डॉक्टर बनना बहुत कठिन है

08 विश्व एड्स दिवस पर सामाजिक ट्रस्ट द्वारा लोगों को किया गया जागरूक

दिल्ली में मतदान से पहले ही व्यवसायिक वाहनों का चक्का थम सकता है

संजय बाटला

नई दिल्ली।डीटीसी कर्मचारी भी जा सकते है हड़ताल पर, डीटीसी और क्लस्टर और इलेक्ट्रिक बसों का चक्का जाएगा थम

वाहनों को वाहन जांच प्रमाण पत्र प्राप्त करने में परिवहन आयुक्त के आदेश से आ रही परेशानी वाहनों को वाहन जांच प्रमाण पत्र नहीं मिलने से वाहनों का चक्का थम रहा है,

परिवहन विभाग की ऑनलाइन एप पर चालान भरा होने के बाद भी बकाया दिखाना वाहन मालिकों द्वारा चालान भरा होने के बावजूद वाहन एप पर चालान बकाया दिखाकर मालिकों को परेशान किया जा रहा है जिससे वाहनों का चक्का थम जाएगा,

दिल्ली में सभी व्यवसायिक श्रेणियों की मददगार संस्थाएं, यूनियन, एसोसिएशन एवम्-वाहन कर्मचारी (ड्राईवर, कंडक्टर, हेल्पर, मिस्त्री, इलेक्ट्रीशियन, पेंटर, बॉडी बिल्डर, वाहन सामान विक्रेता इत्यादि) व्यवसाई एवं विक्रेता दिल्ली सरकार एवं परिवहन आयुक्त द्वारा

जारी गैर कानूनी आदेशों के खिलाफ एकजुट हो रहे हैं।

आपकी जानकारी के लिए बता दें दिल्ली में डीटीसी कर्मचारी, बस मार्शल, ड्राइवर एसोसिएशन और अन्य कुछ आटो टैक्सी एवं कार एसोसिएशन पहले ही आने वाले चुनाव में बहिष्कार और आम आदमी पार्टी के विरोध की बात घोषित कर चुके है

अगर इसी हफ्ते में होने वाली बैठक में एकजुटता बन गई तो परिवहन आयुक्त के आदेशों पर रोक ना लगवाने का हर्जाना दिल्ली में विराजमान आम आदमी पार्टी सरकार के साथ भारत देश में विराजमान सरकार भाजपा को भी भुगतना पड़ सकता है क्योंकि मुख्य सचिव और परिवहन आयुक्त पद पर कार्यरत आई.ए.एस. अधिकारी की दिल्ली में पोस्टिंग भारत सरकार के गृह मंत्री और मंत्रालय का काम है और उन पर कार्यवाही करने में भी सक्षम हैं और फिर भी ना तो कार्यवाही की और ना ही उपराज्यपाल दिल्ली से करवाई।

सड़कों पर वाहन चलाते हुए इन बातों का रखे ध्यान

संजय बाटला, अध्यक्ष टोलवा

दुनिया के सभी देशों के साथ ही भारत में भी नए साल का स्वागत काफी जोश के साथ किया जाता है। लेकिन 31 दिसंबर को कुछ लोग सड़कों पर यातायात नियम का उल्लंघन करते हुए भी देखे जाते हैं। अगर आप भी नए साल के जश्न की तैयारी कर रहे हैं तो सड़कों पर वाहन चलाते हुए किन बातों का ध्यान रखते हुए खुद को यातायात पुलिस की ओर से होने वाली कार्रवाई से सुरक्षित रखा जा सकता है।

1. 31 दिसंबर की रात को पुलिस करती है चेकिंग नए साल के स्वागत की तैयारी के समय जब लोग पार्टी करते हैं तब देश में यातायात पुलिस सड़कों पर नियमों के पालन के लिए मुस्तैद होती है। इस दौरान जगह जगह पर चेकिंग भी की जाती है और यातायात के नियमों को तोड़ने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी की जाती है।

2. न करें ओवर स्पीडिंग वैसे तो कभी भी गाड़ी चलाते हुए तय लिमिट से ज्यादा की स्पीड पर वाहन को नहीं चलाना चाहिए। लेकिन 31 दिसंबर की रात को नए साल का जश्न मनाते हुए कभी भी इस नियम को नहीं तोड़ना चाहिए। ऐसा करने से आप खुद के साथ ही अन्य वाहनों की सुरक्षा पर भी खतरा बढ़ा देते हैं। वहीं पुलिस की ओर से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चालान काटा जा सकता है।

3. सीट बेल्ट और हेलमेट का रखें ध्यान गाड़ी या दो पहिया चलाते हुए हमेशा सुरक्षा का

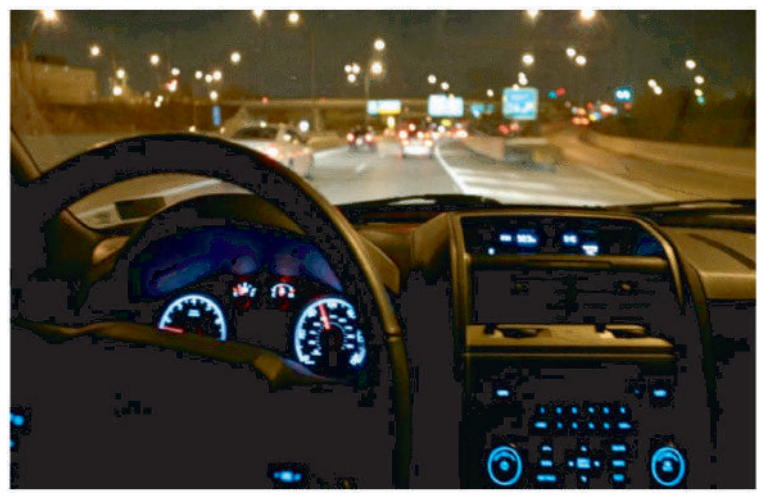

ध्यान रखना चाहिए। अगर आप नए साल के जश्न के पहले गाड़ी से कहीं जा रहे हैं तो सीट बेल्ट जरूर लगाएं और अगर दो पहिया से सफर करते हैं तो फिर हेलमेट जरूर पहनें। ऐसा न करने पर चेकिंग के दौरान आपको परेशानी हो सकती है।

4. न करें ड्रिंक एंड ड्राइव कुछ लोग नए साल के जश्न को मनाने के दौरान ड्रिंक कर लेते हैं और बाद में ड्राइविंग भी करते हैं। ऐसा करने पर न सिर्फ आप यातायात के नियमों को तोड़ते हैं बल्कि अन्य वाहनों की सुरक्षा के लिए खतरा बढ़ाते हैं। चेकिंग के दौरान पकड़े जाने पर आपके खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए न सिर्फ चालान काटा जा सकता है बल्कि आपको पुलिस स्टेशन भी जाना पड़ सकता है।

5. कागजातों का रखें ध्यान नए साल के जश्न के मौके पर पुलिस की ओर से जगह जगह पर चेकिंग की जाती है। ऐसे में ड्राइविंग लाइसेंस के साथ ही गाड़ी के कागज जैसे आरसी, वैलिड इंश्योरेंस, वैलिड पीयूसी को भी चेक किया जा सकता है। इसलिए कोशिश करें कि अगर आप भी जश्न मनाने जा रहे हैं तो अपनी कार, बाइक या स्कूटर के कागज पूरे रखें। ऐसा न करने पर आपके खिलाफ कार्रवाई भी की जा सकती है।

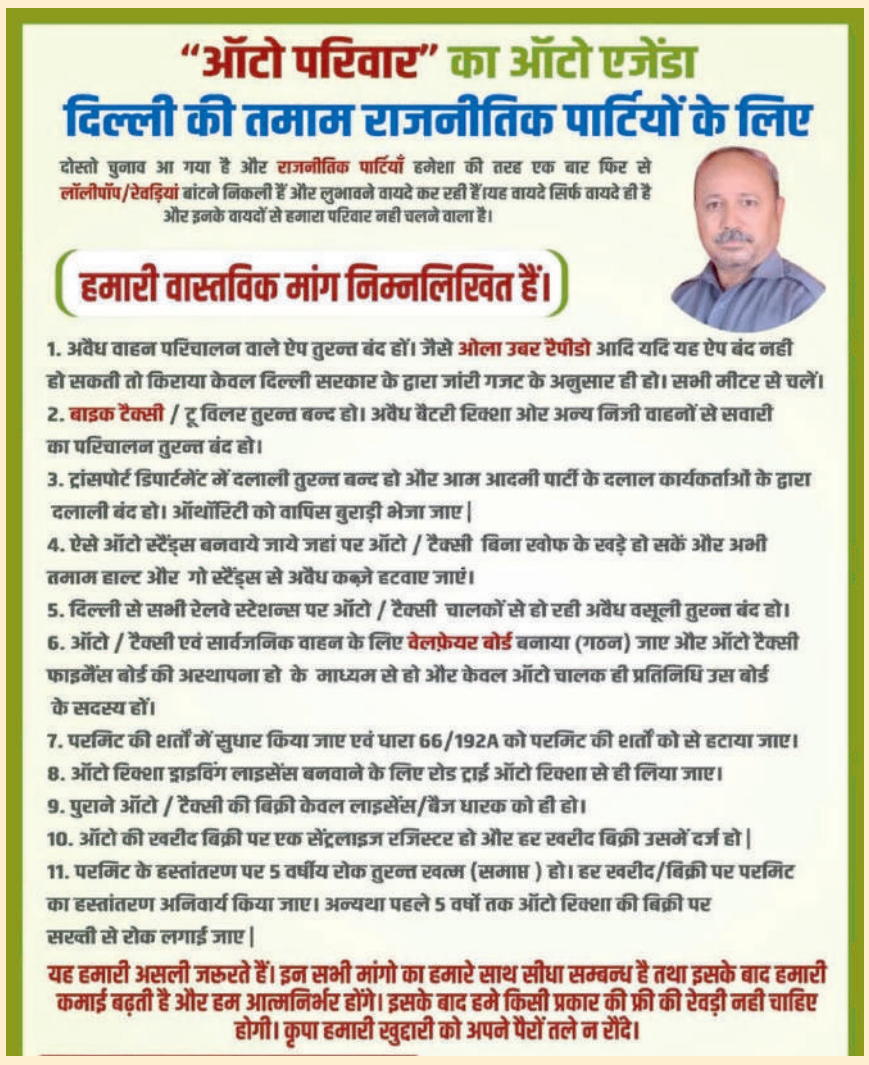

"ऑटो परिवार" का ऑटो एजेंडा दिल्ली की तमाम राजनीतिक पार्टियों के लिए

परिवहन विशेष न्यूज

दोस्तो चुनाव आ गया है और राजनीतिक पार्टियाँ हमेशा की तरह एक बार फिर से लॉलीपॉप/रेवड़ियां बांटने निकली हैं और लुभावने वायदे कर रही हैं। यह वायदे सिर्फ वायदे ही है और इनके वायदों से हमारा परिवार नहीं चलने वाला है।

(हमारी वास्तविक मांग निम्नलिखित हैं।

1. अवैध वाहन परिचालन वाले ऐप तुरन्त बंद हों। जैसे ओला उबर रैपीडो आदि यदि यह ऐप बंद नही हो सकती तो किराया केवल दिल्ली सरकार के द्वारा जांरी गजट के अनुसार ही हो। सभी मीटर से चलें।
2. बाइक टैक्सी / टू विलर तुरन्त बन्द हो। अवैध बैटरी रिक्शा ओर अन्य निजी वाहनों से सवारी का परिचालन तुरन्त बंद हो।
3. ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट में दलाली तुरन्त बन्द हो और आम आदमी पार्टी के दलाल कार्यकर्ताओं के द्वारा दलाली बंद हो। ऑथॉरिटी को वापिस बुराड़ी भेजा जाए|
4. ऐसे ऑटो स्टैंड्स बनवाये जाये जहां पर ऑटो / टैक्सी बिना खोफ के खड़े हो सकें और अभी तमाम हाल्ट और गो स्टैंड्स से अवैध कब्जे हटवाए जाएं।

5. दिल्ली से सभी रेलवे स्टेशन्स पर ऑटो / टैक्सी चालकों से हो रही अवैध वसूली तुरन्त बंद हो।
6. ऑटो / टैक्सी एवं सार्वजनिक वाहन के लिए वेलफेयर बोर्ड बनाया (गठन) जाए और ऑटो टैक्सी फाइनैंस बोर्ड की अस्थापना हो के माध्यम से हो और केवल ऑटो चालक ही प्रतिनिधि उस बोर्ड के सदस्य हों।
7. परमिट की शर्तों में सुधार किया जाए एवं धारा 66/192A को परमिट की शर्तों को से हटाया जाए।
8. ऑटो रिक्शा ड्राइविंग लाइसेंस बनवाने के लिए रोड ट्राई ऑटो रिक्शा से ही लिया जाए।
9. पुराने ऑटो / टैक्सी की बिक्री केवल लाइसेंस / बैज धारक को ही हो।
10. ऑटो की खरीद बिक्री पर एक सेंट्रलाइज रजिस्टर हो और हर खरीद बिक्री उसमें दर्ज हो।
11. परमिट के हस्तांतरण पर 5 वर्षीय रोक तुरन्त खत्म (समाप्त) हो। हर खरीद /बिक्री पर परमिट का हस्तांतरण अनिवार्य किया जाए। अन्यथा पहले 5 वर्षों तक ऑटो रिक्शा की बिक्री पर सरती से रोक लगाई जाए।

यह हमारी असली जरूरते हैं। इन सभी मांगो का हमारे साथ सीधा सम्बन्ध है तथा इसके बाद हमारी कमाई बढ़ती है और हम आत्मनिर्भर होंगे। इसके बाद हमे किसी प्रकार की फ्री की रेवड़ी नही चाहिए होगी। कृपा हमारी खुद्दारी को अपने पैरों तले न रौंदे।

इस तरह चलाई गाड़ी तो होगी सख्त कार्रवाई, दिल्ली पुलिस ने जारी की ट्रैफिक एडवायजरी

दिल्ली पुलिस ने नए साल की पूर्व संध्या पर भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए शहर में ट्रैफिक फ्लो (यातायात के प्रवाह) को नियंत्रित करने और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लोगों के लिए कुछ ट्रैफिक एडवायजरी जारी की है।

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने नए साल की पूर्व संध्या पर भारी भीड़ की आशंका को देखते हुए शहर में ट्रैफिक फ्लो (यातायात के प्रवाह) को नियंत्रित करने और सुरक्षा बनाए रखने के लिए लोगों के लिए कुछ ट्रैफिक एडवायजरी जारी की है। मंगलवार को रात 8 बजे से लेकर जश्न जारी रहने तक यातायात प्रतिबंध लगाए जाएंगे। पुलिस उपायुक्त (यातायात) ढाल सिंह ने बताया कि ये प्रतिबंध निजी और सार्वजनिक परिवहन दोनों पर लागू होंगे।

डीसीपी ने आगे बताया कि शराब पीकर गाड़ी चलाना, ओवरस्पीडिंग, स्टंट बाइकिंग, लापरवाह ड्राइविंग और खतरनाक ड्राइविंग के अन्य रूपों जैसे उल्लंघनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। एक आधिकारिक बयान के अनुसार, पुलिस ने कनॉट प्लेस और अन्य लोकप्रिय उत्सव स्थलों जैसे क्षेत्रों को विशेष ध्यान में रखा है। अन्य प्राथमिक फोकस क्षेत्रों में बाजार, शॉपिंग मॉल और कनॉट प्लेस और हौज खास जैसे लोकप्रिय सभा स्थल शामिल होंगे। एक वरिष्ठ अधिकारी ने पुष्टि की है कि पूरे शहर में यातायात कर्मियों को पर्याप्त रूप से तैनात किया जाएगा।

कनॉट प्लेस के आसपास यातायात प्रतिबंध

कनॉट प्लेस में वाहनों की पहुंच मंडी हाउस

गोल चक्कर, बंगाली मार्केट गोल चक्कर, रणजीत सिंह फ्लाईओवर का उत्तरी भाग, मिंटो रोड-दीन दयाल उपाध्याय मार्ग क्रॉसिंग, आरके आश्रम मार्ग-चित्रगुप्त मार्ग क्रॉसिंग, गोल चक्कर गोल मार्केट, गोल चक्कर जीपीओ और कस्तूरबा गांधी रोड सहित प्रमुख बिंदुओं से आगे प्रतिबंधित रहेगी।

सिर्फ वैध पास वाले वाहनों को ही कनॉट प्लेस के आसपास प्रवेश की अनुमति होगी।

पार्किंग व्यवस्था

मोटर चालक अपने वाहनों को निर्धारित स्थानों पर पार्क कर सकते हैं। जैसे गोल डाकखाना, आकाशवाणी के पीछे रकाबगंज रोड पर पटेल चौक, कॉपरनिकस मार्ग पर मंडी हाउस से बड़ौदा हाउस तक, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग पर मिंटो रोड और प्रेस रोड क्षेत्र, आरके आश्रम मार्ग पर पंचकुइयां रोड, कोपरनिकस लेन पर केजी मार्ग-फिरोजशाह रोड क्रॉसिंग और विंडसर प्लेस। कनॉट प्लेस में पार्किंग सीमित होगी और पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर उपलब्ध होगी। अनधिकृत रूप से पार्क किए गए वाहनों को टो करके ले जाया जाएगा और उन पर जुर्माना लगाया जाएगा।

इंडिया गेट के आसपास की व्यवस्था

इंडिया गेट और उसके आसपास पैदल यात्रियों और वाहनों के आवागमन को नियंत्रित करने के लिए भी व्यापक व्यवस्था की गई है। पैदल यात्रियों की अधिक आवाजाही की स्थिति में वाहनों को सी-हेक्सागन तक पहुंचने से रोका जा सकता है। और उन्हें क्यू-पॉइंट, सुनहरी मस्जिद गोल चक्कर, राजपथ रफी मार्ग, विंडसर प्लेस गोल चक्कर, राजिंदर प्रसाद रोड-जनपथ, केजी मार्ग-फिरोजशाह रोड और मंडी हाउस गोल चक्कर सहित वैकल्पिक मार्गों से भेजा जा सकता है।

इंडिया गेट के पास पार्किंग की सीमित उपलब्धता के कारण आगंतुकों को सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करने की सलाह दी जाती है।

दिल्ली चिड़ियाघर और मथुरा रोड के लिए सलाह

दिल्ली चिड़ियाघर में भारी भीड़ की आशंका के कारण मथुरा रोड पर जाम लग सकता है। इसलिए वाहन चालकों को सलाह दी जाती है कि वे हजरत निजामुद्दीन और प्रगति मैदान के बीच भैरों रोड और मथुरा रोड से बचें।

यूपी रोडवेज बसों में अब मिलेगी ट्रेन जैसी सुविधा: स्लीपर बसों का संचालन शुरू

इशिका मुख्य रिपोर्टर

उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम (UPSRTC) ने यात्रियों के लिए एक नई और आरामदायक यात्रा सुविधा की घोषणा की है। अब, यात्रियों को रोडवेज बसों में भी ट्रेन जैसी सुविधा मिलेगी, जिसमें वे सोकर यात्रा कर सकेंगे। यह कदम लंबी दूरी की यात्रा को और अधिक सुखद बनाने के लिए उठाया गया है।

स्लीपर बसों का परिचय

यूपी परिवहन निगम के बेड़े में जल्द ही स्लीपर बसें शामिल होने जा रही हैं। इन बसों को विशेष रूप से लंबी दूरी के रूटों पर चलाया जाएगा। निगम ने इस योजना के तहत लगभग 150 एसी और नॉन-एसी स्लीपर बसें खरीदने की तैयारी कर ली है। यह पहली बार होगा जब रोडवेज प्रशासन यात्रियों को स्लीपर बस सेवा उपलब्ध कराएगा, जिससे रोडवेज की छवि भी बेहतर होगी।

बसों की विशेषताएँ

इन नई स्लीपर बसों में यात्रियों को आरामदायक सोने की व्यवस्था मिलेगी, जिससे वे यात्रा के दौरान थकान महसूस नहीं करेंगे। रोडवेज प्रशासन ने बताया कि कुल 4,353 बसों को खरीदने की योजना है, जिसमें नई एसी वॉल्वो, जनरथ, स्लीपर और साधारण बसें शामिल होंगी। इसके लिए सरकार ने बजट भी आवंटित किया है।

बजट और खरीदारी की प्रक्रिया

पिछले वर्ष यूपी सरकार ने परिवहन निगम के लिए 500 करोड़ रुपये का बजट प्रदान किया था, जिसमें 120 इलेक्ट्रिक बसें और हजार साधारण बसें शामिल थीं। इस बार 700 करोड़ रुपये और आवंटित किए गए हैं, जिससे 150 एसी और नॉन-एसी स्लीपर बसें खरीदी जाएंगी। रोडवेज के प्रवक्ता अजीत कुमार सिंह ने कहा कि ये नई बसें खटारा बसों की जगह लेंगी।

सुरक्षा उपाय

यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए रोडवेज प्रशासन ने कुछ नए उपाय भी अपनाए हैं। हाल ही में, रोडवेज बसों में 'एंटी-स्लीप डिवाइस' लगाने की योजना बनाई गई है। यह डिवाइस चालक को झपकी आने से पहले अलार्म बजाकर जागरूक करेगा, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना कम हो सकेगी।

यात्रा का विस्तार

इन स्लीपर बसों का संचालन यूपी के प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, दिल्ली, मेरठ, वाराणसी, देहरादून, हरिद्वार, गोरखपुर और आगरा के बीच किया जाएगा। इससे यात्रियों को लंबी दूरी की यात्रा में अधिक सुविधा और आराम मिलेगा।

यूपी रोडवेज द्वारा उठाए गए इस कदम से न केवल यात्रा का अनुभव बेहतर होगा बल्कि यह यात्रियों को सुरक्षित और आरामदायक सफर का अवसर भी प्रदान करेगा। अब यात्री ट्रेन जैसी सुविधाओं का आनंद लेते हुए अपने गंतव्य तक पहुँच सकेंगे। यह पहल निश्चित रूप से यूपी परिवहन निगम की छवि को सुधारने में मदद करेगी और यात्रियों के बीच विश्वास बढ़ाएगी।

यात्रियों को इन नई सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए तैयार रहना चाहिए क्योंकि ये स्लीपर बसें जल्द ही मुख्य रूटों पर चलनी शुरू होंगी।

नए साल 2025 में संकल्प लें - राष्ट्रहित में, जातिवाद और अपनों से नफ़रत को जड़-मूल से नष्ट करना होगा, तभी हमारा भारत विकसित और विश्व गुरु बनेगा

आगरा,संजय साग़र सिंह।

राष्ट्रहित में, हिंदू समाज की एकता, समावेशिता, और सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिए आगरा स्मार्ट सिटी (भारत सरकार) के सदस्य वरिष्ठ समाजसेवी राजेश खुराना ने नव वर्ष 2025 के लिए संकल्प लेते हुये कहा, ₹एकजुट हिंदू समाज ही भारत को एक मजबूत, समृद्ध और विश्व गुरु बना सकता है। इस समय भारत में हिंदुत्व का साम्राज्य स्थापित करने के लिए पहली आवश्यकता है कि जातिवाद, अपनों से नफ़रत और समाज से विभाजन को खत्म करना होगा। इस दिशा में आरएसएस और अन्य हिंदूवादी संगठन बहुत ही सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उनके निरंतर प्रयासों से समूचे विश्व में हिंदू और भारत की एक नई छवि उभर कर आई है। जिससे हिन्दुओं के नए जोश, आत्म विश्वास, एकता और देश भक्ति को प्रदर्शित किया हैं, जिसके परिणाम चुनावों में देखने को मिल रहे है। आजकल पूरे भारत में हर तीज त्यौहार जोरदारी से मनाया जा रहा है जिसमें उपेक्षित वर्गो की हिस्सेदारी बेतहाशा बढ़ी है। हिंदुत्व की विचारधारा से जुड़े संगठन अब काफी सक्रिय हो चुके हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स का भरपूर उपयोग कर रहे हैं। जमीनी स्तर पर गौ हत्या के खिलाफ, धर्म परिवर्तन, लेंड जिहाद और लव जिहाद के मामलों में इन ग्रुप्स की निगरानी और सक्रियता बढ़ी है। वही, देश विरोधी बातों और गतविधियों से आम जनता के हृदय में ये बात बैठ गई है कि तुष्टिकरण की जहरीली राजनीति ने राष्ट्र को काफी नुकसान पहुंचाया है और जातियों के आधार पर समाज के विघटन से देश कमजोर हुआ है। वहीं, भविष्य में देशविरोधी ताकतों की खतरनाक राजनीति खुलकर ध्रुवीकरण आधारित होगी। इसलिए वर्तमान समय में जातिवाद और भेदभाव को समाप्त कर, समावेशी और मजबूत समाज की दिशा में कदम उठाना न केवल हिंदू समुदाय के लिए, बल्कि समग्र राष्ट्र के लिए भी अतिआवश्यक है। यदि हम समाज में रचनात्मक संवाद और सुरक्षा को बढ़ावा देंगे, तो हम विभाजन और हिंसा को रोक सकते हैं। अंततः, एकजुट हिंदू समाज ही भारत को एक मजबूत, समृद्ध और विश्व गुरु बना सकता है।

वरिष्ठ समाजसेवी चन्द्रवीर सिंह ने हिन्दू एकता के लिए महत्वपूर्ण विचार व्यक्त करते हुये कहा, यह बात सही है कि हजारों वर्षों से चल रहे जातिवाद ने भारत को आर्थिक और राजनैतिक शक्ति के रूप में कभी उभरने नहीं दिया है। घुसपैठिए और आक्रामक लुटेरे आते रहे और सामाजिक विभाजन का फायदा उठाते रहे। गुलामी की आदत सेकुलर बन गई, इससे हमारा सांस्कृतिक और धार्मिक विध्वंश होता रहा। आजादी के बाद भी कुछ राजनैतिक दलों ने सत्ता में बने रहने के लिए हिन्दुओं को जाति ने नाम पर वोट पाने का ये खतरनाक खेल जारी रखा और जातियों के नाम पर पार्टियां बनी,

क्षेत्रीय जातिगत ठेकेदारों ने सामाजिक खाइयों को और चौड़ा करने के अवसर भुनाए और सत्ता हथियाई। हिंदुत्व की राजनैतिक विचारधारा को सशक्त बनाने के लिए जातिवाद का मकड़जाल तोड़ना ही होगा। क्युकी जाति व्यवस्था ने ऐतिहासिक रूप से भारत के विभिन्न समुदायों को हाशिए पर धकेल दिया है। देशहित में अब इन जातिगत जंजीरों को तोडना हिंदु एकता और हिंदुत्व विचारधारा के एकीकरण के लिए अतिआवश्यक है तभी हम विकसित भारत और विश्व गुरु बन पाएंगे।

देश और हिंदुत्व की मजबूती के लिए समाजसेवी पंकज जैन ने संकल्प लेते हुये कहा कि अपनों से नफ़रत और समाज से जातिवादी प्रथा को जड़ मूल से नष्ट करना होगा। तभी हम विश्व गुरु बनेगें। यह सशक्तिकरण न केवल हिन्दुओं के व्यक्तिगत विकास को बढ़ावा देता है बल्कि पूरे राष्ट्र को समृद्ध भी बनाएगा। ज़ब हिन्दू समाज पूरी तरह से एक हो जायेगा तो पाकिस्तान, कश्मीर और बांग्लादेश जैसे हालात हिन्दुओं को फिर कभी नहीं देखने पडेगे। सभी हिन्दू एक रहेंगे तो, चुनावों में एक हैं तो सेफ़ हैं, बटेंगे तो कटेंगे जैसे क्रन्तिकारी नारों की जरूरत ही नहीं होंगी। इसलिए सभी हिन्दुओं के एकीकरण के लिए अब सामाजिक सुधार महत्वपूर्ण हैं, जिससे हिन्दू एकता की संस्कृति को बढ़ावा मिलेगा। इसके अलावा, सर्व समाज की अंतरजातीय बैठकों में रचनात्मक संवाद को बढ़ावा देना और दबंगों से असहाय, ग़रीब और कमजोरों की सुरक्षा के लिए समाजिक ढांचे को मजबूत करने की आवश्यकता है। वर्तमान हिन्दू विरोधी परिस्थितियों में सभी की सुरक्षा सुनिश्चित करना सर्वोपरि है। वर्तमान समय में बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार और हमलों से सबक लेते हुये भारत में हमें एक ऐसा समाज बनाना चाहिए, जो हिन्दू एकता में उत्पन्न होने वाले भेदभाव या हिंसा के मामलों में न्याय के लिए स्पष्ट रास्ते प्रदान करें, जिससे जाति-आधारित हिंसा और पूर्वाग्रह के खिलाफ एक मजबूत संदेश जाए। सहिष्णुता और उदार आदर्शों में निहित बहुसंख्यक समुदाय का सशक्तिकरण महत्वपूर्ण है, जब हिंदू समावेशिता और स्वीकृति के बैनर तले एकजुट होते हैं, तो वे विभाजनकारी ताकतों के खिलाफ एक मजबूत मोर्चा पेश कर सकते हैं। आपसी सम्मान और साझा मानवता पर बनी नींव एक मजबूत एवं विकसित और विश्व गुरु भारत की ओर ले जाएगी।

नए साल पर रिश्तों को और भी खास बना देंगे 10 रिलेशनशिप रिज्योल्यूशन

नया साल (New Year 2025) सिर्फ कैलेंडर बदलने का समय नहीं है बल्कि अपने दिल के करीब रिश्तों को नया रंग देने का भी सुनहरा मौका है। अगर आप भी चाहते हैं कि आपके रिश्ते प्यार और विश्वास से भरे रहें तो यहां हम आपके लिए 10 Relationship Resolutions लेकर आए हैं जिन्हें अमल में लाकर आप रिश्तों को मजबूत बना सकते हैं।

नया साल, नई शुरुआत! हर साल हम नए साल का स्वागत उत्साह और उम्मीदों के साथ करते हैं। यह साल हमें अपनी जिंदगी में कई बदलाव लाने का मौका देता है। इनमें से एक बदलाव हमारे रिश्तों में भी हो सकता है।

हम सभी अपने रिश्तों को मजबूत बनाना चाहते हैं, चाहे वो हमारे परिवार के साथ हों, दोस्तों के साथ हों या हमारे पार्टनर के साथ हों, लेकिन कई बार हम बिजी लाइफस्टाइल के कारण अपने रिश्तों को उतना समय नहीं दे पाते जितना देना चाहिए।

ऐसे में, न्यू ईयर रेजोल्यूशन लेना एक अच्छा तरीका है अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का। आइए जानते हैं रिलेशनशिप से जुड़े 10 ऐसे न्यू ईयर रेजोल्यूशन (10 Relationship Resolutions) जो आपके रिश्तों को और भी खास बना सकते हैं।

रिश्तों को खास बनाएंगे 10 न्यू ईयर रेजोल्यूशन

हर दिन कुछ पल एक-दूसरे को दें

आजकल हम सभी काफी बिजी रहते हैं, लेकिन हमें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए हर दिन कुछ पल एक-दूसरे को देने चाहिए। चाहे वो साथ में खाना खाना हो, एक-दूसरे से बातचीत करना हो या साथ में कुछ खास पल जीना हो।

एक-दूसरे की तारीफ करें

हम सभी तारीफ सुनना पसंद करते हैं। इसलिए अपने पार्टनर या परिवार के सदस्यों की तारीफ करना न भूलें। इससे उन्हें अच्छा लगेगा और आपका रिश्ता भी मजबूत होगा।

मदद के लिए तैयार रहें

जब भी आपके पार्टनर या फैमिली मेंबर्स किसी काम में बिजी हों, तो उनकी मदद करने के लिए तैयार रहें। इससे उन्हें एहसास होगा कि आप उनकी परवाह करते हैं।

वक्त देने में कंजूसी नहीं

आजकल हम सभी स्मार्टफोन पर काफी समय बिताते हैं, लेकिन हमें अपने रिश्तों को मजबूत बनाने के लिए एक-दूसरे को समय देना चाहिए। फोन को एक तरफ रखकर अपने

पार्टनर या फैमिली मेंबर्स के साथ भी बातचीत करें।

माफ करने की कोशिश करें

अगर किसी बात को लेकर आपका पार्टनर या फैमिली मेंबर नाराज है, तो उसे माफ करने की कोशिश करें। गुस्सा और नाराजगी किसी भी रिश्ते को खराब कर सकती है।

सुनने की आदत डालें

जब आपका पार्टनर या परिवार का सदस्य कुछ कह रहा हो, तो ध्यान से सुनें। बीच में बोलने की कोशिश न करें। इससे उन्हें इस बात का एहसास होगा कि आप उनकी बातों को तवज्जो देते हैं।

एक-दूसरे के सपनों का सपोर्ट करें

अपने पार्टनर के सपनों को भी सपोर्ट करें। उन्हें उनके गोल्स को अचीव करने में उनकी काफी मदद करेगा और अपके प्यार की गवाही भी पेश करेगा।

वक्त बिताना है जरूरी

साथ में घूमने जाएं, कोई नई जगह देखें, या कोई नई एक्टिविटी करें। इससे आपका रिश्ता और भी मजबूत होगा।

खुशियों का ख्याल रखें

अपने पार्टनर को खुश रखने की कोशिश करें। उनके लिए छोटे-छोटे सरप्राइज दें या उनके पसंदीदा खाना बनाएं।

प्यार भी जाहिर करें

प्यार ही किसी भी रिश्ते की नींव होता है। अपने पार्टनर या फैमिली मेंबर्स से प्यार करें और उन्हें बताएं कि आप उनसे कितना प्यार करते हैं।

न्यू ईयर पार्टी में लड़कों पर खूब जंचेंगे 5 आउटफिट, स्टाइल देखकर हर कोई करेगा तारीफ

नए साल की पार्टी में हर कोई सबसे बेहतर दिखना चाहता है। लड़के भी इस मौके पर अपने स्टाइल से हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचना चाहते हैं। अगर आप भी न्यू ईयर पार्टी में सबसे स्टाइलिश दिखना चाहते हैं तो हम आपके लिए लेकर आए हैं 5 ऐसे आउटफिट्स जो आपकी पर्सनालिटी में चार चांद लगाने का काम करेंगे।

न्यू ईयर पार्टी में क्या पहनें, ये सवाल हर लड़के के मन में होता है। अगर आप भी न्यू ईयर सेलिब्रेशन में सबसे अलग और स्टाइलिश दिखना चाहते हैं तो हम आपके लिए 5 ऐसे आउटफिट्स (New Year 2025 Outfits Ideas) लेकर आए हैं जो न सिर्फ आपको अट्रैक्टिव बनाएंगे बल्कि आपकी पर्सनालिटी को भी निखारेंगे। इन आउटफिट्स के साथ आप पार्टी में सबसे अलग दिखेंगे और सभी की नजरें आप पर ही टिकी रहेंगी।

1) क्लासिक सूट

सूट एक ऐसा आउटफिट है जो कभी भी फैशन से बाहर नहीं जाता। आप ब्लैक, नेवी ब्लू या ग्रे कलर का सूट चुन सकते हैं। इसके साथ आप व्हाइट शर्ट और ब्लैक टाई पहन सकते हैं। इस लुक को और भी शानदार बनाने के लिए आप एक अच्छी हैंड वॉच और ब्रोच को एक्सेसरीज के तौर पर यूज कर सकते हैं।

2) डेनिम जैकेट और टी-शर्ट

अगर आप कैजुअल लुक पसंद करते हैं, तो डेनिम जैकेट और टी-शर्ट आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। आप ब्लैक, व्हाइट या ग्रे कलर की टी-शर्ट के साथ ब्लू डेनिम जैकेट पहन सकते हैं। इसके साथ आप ब्लैक जींस और स्नीकर्स पहन सकते हैं।

3) शर्ट और ट्राउजर

शर्ट और ट्राउजर का कॉम्बिनेशन एक बहुत ही क्लासी और स्टाइलिश लुक देता है। आप प्लेन या प्रिंटेड शर्ट के साथ फिटेड ट्राउजर पहन सकते हैं। इसके साथ आप ब्राउन या ब्लैक बेल्ट और लेदर शूज पहन सकते हैं।

4) स्वेटर और जींस

ठंड के मौसम में स्वेटर और जींस एक बहुत ही कंफर्टेबल और स्टाइलिश ऑप्शन है। आप किसी भी कलर का स्वेटर चुन सकते हैं, लेकिन ब्लैक, ग्रे या नेवी ब्लू कलर के स्वेटर सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इसके साथ आप ब्लू या ब्लैक जींस और स्नीकर्स पहन सकते हैं।

5) थ्री-पीस सूट

अगर आप एक बहुत ही फॉर्मल लुक चाहते हैं, तो थ्री-पीस सूट आपके लिए बेस्ट ऑप्शन हो सकता है। आप ग्रे या नेवी ब्लू कलर का थ्री-पीस सूट चुन सकते हैं। इसके साथ आप व्हाइट शर्ट और ब्लैक टाई पहन सकते हैं। इस लुक को और भी शानदार बनाने के लिए आप एक अच्छे पॉकेट स्क्वायर का इस्तेमाल कर सकते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

अपने शरीर के मुताबिक कपड़े चुनें।

अपने जूतों का ध्यान रखें।

एक अच्छी हैंड वॉच और ब्रोच आपके लुक को और भी शानदार बना सकते हैं।

अपने बालों को अच्छे से स्टाइल करें।

गूगल पर इस साल सबसे ज्यादा सर्च की गईं ये 10 रेसिपीज, आपको भी हैरान कर देगी लिस्ट

साल 2025 दस्तक देने को तैयार है! बीते दिनों गूगल ने साल 2024 की सबसे पॉपुलर रेसिपीज की एक दिलचस्प लिस्ट जारी की थी। Google Trends के मुताबिक इस साल इन रेसिपीज ने लोगों का खूब ध्यान खींचा। इनमें से कई तो खास तौर पर त्योहारों के लिए बनाई जाती हैं। आइए जानते हैं कि इस साल किन-किन व्यंजनों ने लोगों का दिल जीता है।

साल 2024 बस खत्म होने की कगार पर है। बता दें, इस साल दौरान हमने खाने-पीने की दुनिया में कई नए ट्रेंड देखे। इनमें से कुछ ट्रेंड्स तो पुराने थे, जिन्हें नए रूप में पेश किया गया, जबकि कुछ बिल्कुल नए थे, लेकिन एक चीज जो हमेशा एक-सी रहती है, वह है हमारा खाना बनाने और खाने का शौक। इसी शौक को पूरा करने के लिए हम अक्सर गूगल का सहारा लेते हैं। साल 2024 में भी लोगों ने गूगल पर कई तरह की रेसिपीज खोजीं। इनमें से कुछ रेसिपीज तो इतनी फेमस हुईं कि वे गूगल के सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली रेसिपीज की लिस्ट में शामिल हो गईं। आइए जानते हैं कि साल 2024 में गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की गईं टॉप 10 रेसिपीज कौन-सी थीं।

1) आम का अचार

भारतीय खाने में आम का अचार एक ऐसा व्यंजन है जिसे हर कोई पसंद करता है। इसका खट्टी-मीठी स्वाद और तीखापन किसी भी भोजन को स्वादिष्ट बना देता है। साल 2024 में भी आम का अचार गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली रेसिपीज में से एक रहा।

2) पोर्न स्टार मार्टिनी

यह एक कॉकटेल है, जिसने भारत में बहुत तेजी से लोकप्रियता हासिल की है। इसका स्वाद बेहद अनोखा होता है और यह पार्टियों में एक लोकप्रिय ड्रिंक बन गया है।

3) धनिया पंजीरी

यह आमतौर पर भगवान कृष्ण के लिए बनाई जाती है। इसकी सुगंध और स्वाद इतना मनमोहक होता है कि इसे लोग साल भर बनाकर खाते हैं।

4) फ्लैट व्हाइट

फ्लैट व्हाइट एक बेहद फेमस कॉफी है जिसे एस्प्रेसो और स्टीम्ड मिल्क को मिलाकर बनाया जाता है। इसकी सबसे खास बात है इसका महीन और मलाईदार फोम, जो इसे कैपुचिनो से अलग बनाता है। मार्च 2024 में Google Doodle का हिस्सा बनने के बाद यह कॉफी दुनिया भर में और ज्यादा फेमस हो गई।

5) कांजी

साल 2024 में उत्तर भारत की फेमस कांजी भी लोगों ने गूगल पर सबसे ज्यादा सर्च की।

6) शंकरपाली

यह एक दक्षिण भारतीय मिठाई है, जो चावल के आटे से बनाई जाती है। यह स्वाद में बहुत ही क्रिस्पी और टेस्टी होती है।

7) ईमा दत्शी

यह एक भूटानी व्यंजन है, जो आलू और पनीर से बनाया जाता है। यह स्वाद में बहुत ही स्वादिष्ट होता है और इसे चावल के साथ परोसा जाता है।

8) चरणामृत

यह एक धार्मिक पेय पदार्थ है, जिसे मंदिरों में प्रसाद के रूप में दिया जाता है। इसे दूध, दही, शहद और मेवे से बनाया जाता है।

9) मार्टिन ड्रिंक

यह एक क्लासिक कॉकटेल है, जिसे जिन्न, वर्माउथ और बिटर से बनाया जाता है।

10) चम्मंथी

यह एक साउथ इंडियन डिश है, जिसे दही, धनिया और हरी मिर्च से बनाया जाता है। इसे चावल या रोटी के साथ परोसा जाता है।

"हर दिन हो खुशियों की बरसात" इन शानदार मैसेजेस से दें नए साल की मुबारकबाद

नया साल आने में बस एक दिन बचा है। 31 दिसंबर की रात से ही दोस्तों और रिश्तेदारों को शुभकामनाएं भेजने का सिलसिला शुरू हो जाता है। ऐसे में आप भी चाहते होंगे कि न्यू ईयर पर कुछ खास विशेज के साथ अपने करीबियों को नया साल मुबारक कहें। इसके लिए हम यहां कुछ ऐसे विशेज लेकर आए हैं। आइए देखें।

नया साल दस्तक देने ही वाला है। इस दिन को हम एक नई शुरुआत का प्रतीक मानते हैं। पिछले साल के सभी बुरे पलों को भुलाकर और खुशियों को संजोते हुए हम आगे बढ़ने की कोशिश करते हैं। नए साल की शुरुआत के साथ ही हमारे मन में कई तरह के सपने और उम्मीदें जग जाती हैं। हम इस नए साल में कुछ नया करना चाहते हैं, कुछ नया सीखना चाहते हैं और अपनी जिंदगी को बेहतर बनाना चाहते हैं। यहीं दुआ हम अपने दोस्तों और करीबियों के लिए भी करते हैं। इसके लिए हम उन्हें नए साल की शुभकामनाएं भी भेजते हैं। हालांकि, अपने दिल की बात को शब्दों में पिरोना काफी मुश्किल होता है। इसलिए हम यहां कुछ न्यू ईयर विशेज लेकर आए हैं, जिन्हें आप अपने दोस्तों और रिश्तेदारों के साथ शेयर कर सकते हैं।

1. रिश्ते को यूं ही बनाए रखना,

दिलों में चिराग हमारी यादों के जलाए रखना।
2024 का सफर सुहाना बनाने के लिए शुक्रिया,
2025 में भी अपना साथ बनाए रखना।
Happy New Year 2025!

2. रात का चांद आपको करे सलाम,
परियों की आवाज आपको करे आदाब।
पूरी दुनिया को खुश रखने वाला,
नए साल के हर पल में आपको रखे खुश।
नए साल 2025 की हार्दिक शुभकामनाएं!

3. सफलता मिलती रहे आपको जीवन की हर राह में,
खुशी चमकती रहे आपकी निगाह में,
हर कदम पर मिले खूशी की बहार आपको,
ये दोस्त देता है नए साल मुबारक हो आपको।
Happy New Year 2025!

4. नवंबर गया, दिसंबर गया, गए सारे त्योहार,
नए साल की बेला पर झूम रहा संसार।
अब जिसका आपको था बेसब्री से इंतजार,
मंगलमय हो आपका 2025 का साल।
Happy New Year 2025!

5. हमेशा मेहरबान रहे नया साल आया बनकर उजाला,
खुल जाए आप की किस्मत का ताला,
हमेशा मेहरबान रहे आप पर ऊपर वाला,
हैप्पी न्यू ईयर 2025!

6. गुल ने गुलशन से गुलफाम भेजा है,
सितारों ने आसमान से सलाम भेजा है।
मुबारक हो आपको नया साल,
हमने एडवांस में यह पैगाम भेजा है।

दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से शिकायत आ रही है कि डीटीसी और कलस्टर बसों के ड्राइवर और कंडक्टर महिलाओं को देखकर बस नहीं रोकते हैं- सीएम आतिशी

सुषमा रानी

नई दिल्ली, दिल्ली के अंदर महिलाओं को देखकर बसें न रोकने वाले डीटीसी और क्लस्टर बसों के ड्राइवर और कंडक्टर की अब खैर नहीं है। ₹आपऱ सरकार ने इन बसों के ड्राइवर और कंडक्टर को सस्पेंड करने का आदेश जारी किया है। दरअसल, दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री आतिशी को महिलाएं शिकायत कर रही हैं कि निर्धारित स्टॉप पर उनको देखकर डीटीसी और क्लस्टर बसों के ड्राइवर नहीं रुकते हैं। इस शिकायत को गंभीरता से लेते हुए सीएम आतिशी ने यह आदेश दिया है। साथी ही, सीएम आतिशी ने महिलाओं से अपील की है कि अगर कोई बस अपने निर्धारित स्टॉप पर नहीं रुकती है तो महिलाएं उसकी फोटो खींचकर सोशल मीडिया पर डाल दें, उसके ड्राइवर और कंडक्टर के ख़िलाफ़ एक्शन लिया जाएगा ।दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा महिलाएं और बेटियां नौकरी व पढ़ाई के लिए बस से सफ़र करें। इसके लिए ही सरकार ने बस यात्रा मुफ़्त की हुई है।

दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी ने सोमवार को कहा कि दिल्ली सरकार को और मुझे व्यक्तिगत तौर पर दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से महिलाओं की शिकायत आ रही थी कि जो डीटीसी और कलस्टर बसों के ड्राइवर और कंडक्टर हैं वह अक्सर महिलाओं को देखकर बस नहीं रोकते हैं। अगर किसी बस स्टॉप पर सिर्फ महिलाएं खड़ी होती हैं तो ड्राइवर बस नहीं रोकते हैं और बस चलाकर आगे निकल जाते हैं। दिल्ली

के कई हिस्सों से यह शिकायत आई है। मैं सबसे पहले दिल्ली की महिलाओं को यह आश्वस्त करना चाहती हूं कि वह बसों में ज्यादा से ज्यादा संख्या में यात्रा करें। उसके लिए दिल्ली सरकार प्रतिबद्ध है। यही कारण है कि दिल्ली सरकार ने महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री की हुई है। क्योंकि जब महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री होगी तो महिलाएं अपने घर से बाहर निकलेंगी। लड़कियां कॉलेज जाएंगी। महिलाएं अपने घर से दूर भी काम की तलाश कर सकती हैं। महिलाएं जितनी ज्यादा से ज्यादा संख्या में घरों से बाहर निकलती हैं, उससे किसी भी अर्थव्यवस्था का विकास होता है। दिल्ली में सभी महिलाओं के लिए बस यात्रा फ्री की गई है और हम प्रतिबद्ध हैं कि महिलाएं ज्यादा से ज्यादा संख्या में बसों में यात्रा करें।

उन्होंने आगे कहा कि हमने दिल्ली सरकार के परिवहन विभाग की तरफ से डीटीसी और कलस्टर की सभी बसों और कंडक्टरों के लिए यह आदेश निकलवाया है और सख्त निर्देश दिए हैं कि अगर कोई भी महिलाओं के लिए बस नहीं रोकता हुआ पाया गया, अगर कोई भी ऐसा ड्राइवर और कंडक्टर है, जो सिर्फ बस स्टॉप पर महिला यात्री को देखकर बस को तेजी से चलाकर आगे निकल गया और उसने बस नहीं रोकी तो उस पर सख्त से सख्त कार्रवाई होगी। ड्राइवर और कंडक्टर दोनों को सस्पेंड किया जाएगा। मैं दिल्ली की महिलाओं से यह भी निवेदन करूंगी कि अगर आप कहीं भी ऐसा देखती हैं कि बसों को नहीं रोका जा रहा है तो आप बस की फोटो लीजिए। बस के लाइसेंस नंबर की फोटो लीजिए और सोशल मीडिया पर डालिए। सोशल मीडिया पर अगर कोई भी ऐसी शिकायत आती है तो वहां पर जो भी बस का नंबर, ड्राइवर और कंडक्टर है, उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। ड्राइवर को सस्पेंड किया जाएगा।

सीएम ने कहा कि दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों में जाकर पब्लिक मीटिंग करने के दौरान मैं पिछले एक महीने से देख रही हूं कि कई महिलाएं बसों के न रुकने की शिकायत कर रही हैं। दिल्ली के अलग-अलग हिस्सों से यह शिकायत आ रही है। ऐसा लगता है कि ड्राइवर और कंडक्टर अपने आप को कोई अतिरिक्त न्यायिक शक्ति के तौर पर यह मान रहे हैं कि बसों को नहीं रोकना है। जबकि चाहे डीटीसी बस हो या कलस्टर बस हो, जितनी भी पिंक टिकट जारी होती हैं, उतना रीइंबर्समेंट दिल्ली सरकार की तरफ से दिया जाता है। इसलिए किसी भी बस ड्राइवर और कंडक्टर के लिए बस नहीं रोकने का कोई भी कारण नहीं है। इसलिए महिलाओं को बस में चढ़ाने से किसी भी बस का कोई भी नुकसान नहीं हो रहा है। इसलिए हमने बहुत सख्त आदेश जारी किया है कि अगर कोई भी बस महिलाओं के लिए नहीं रुकती है तो उसके ड्राइवर पर सख्त कार्रवाई होगी और उसे सस्पेंड किया जाएगा। चाहे वह डीटीसी बस का ड्राइवर हो या कलस्टर बस का ड्राइवर हो।

संभावनाओं से भरा झारखंड का पारिस्थितिकी पर्यटन चिन्हित करें : मुख्यमंत्री

पर्यटन को उद्योग का दर्जा देने हेतु मुख्यमंत्री का नेक पहल

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड -झारखंड

रांची , खनीज संपदा ,उद्योग से भरा झारखंड के प्राकृतिक परिवेश में वन , जंगल , झरना, नदी , पहाड़ आदि का अपना एक अलग स्थान है । जिसे आज तक किसी सरकार ने उतनी तरहीज नहीं दी जिसका झारखंड की धरती वास्तविक हकदार रही । पर अब युवा मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने पारिस्थितिकी पर्यटन (इको टूरिज्म) के विकास पर एक बेहतर कार्य योजना तैयार करने का निर्देश अपने अधिकारियों को दिया है। मुख्यमंत्री सोरेन ने सोमवार को झारखंड मंत्रालय में मुख्य सचिव श्रीमती अलका तिवारी, वन पर्यावरण विभाग के सचिव अबू बकर सिद्दीकी एवं पर्यटन विभाग के सचिव मनोज कुमार के साथ राज्य में इको टूरिज्म की संभावनाओं एवं उन्हें विकसित करने निमित्त बैठक में कई महत्वपूर्ण सुझाव अधिकारियों को दिए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से कहा कि झारखंड में इको टूरिज्म की अपार संभावनाएं हैं। राज्य में इको टूरिज्म को इस प्रकार विकसित किया जाए जिससे स्थानीय लोगों को रोजगार मिलने के साथ-साथ प्रकृति को भी संरक्षित रखा जा सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि वन पर्यावरण विभाग एवं पर्यटन विभाग एक बेहतर समन्वय के साथ इको टूरिज्म के विकास के लिए झारखंड के उन स्थानों को चिन्हित करने का कार्य करें, जहां पारिस्थितिकीय पर्यटन की संभावनाएं हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से राज्य में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने वाली योजनाओं पर विशेष फोकस करने का निर्देश दिया है। साथ ही उन्होंने कहा कि इको टूरिज्म को बढ़ावा देने से झारखंड की प्राकृतिक सुंदरता को देश और दुनिया में एक अलग पहचान मिलेगी। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि देश के अन्य राज्यों या दूसरे देशों में जहां इको टूरिज्म के क्षेत्र में अच्छे कार्य हुए हैं वहां के इको टूरिज्म मॉडल का अध्ययन करें। साथ ही उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि पर्यटन के क्षेत्र में वैश्विक मानचित्र पर झारखंड को पहचान देने के उद्देश्य से वन विभाग एवं पर्यटन विभाग प्रतिबद्धता के साथ कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में अंतरराष्ट्रीय स्तर के इको टूरिज्म विकसित हो इसके लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध है। पारिस्थितिक पर्यटन को विकसित होने से झारखंड की प्राकृतिक धरोहरों को संरक्षित रखा जा सकेगा ।

संजय सिंह की पत्नी सुल्तानपुर यूपी और दिल्ली दोनों में वोट होने का मामले की जांच होनी चाहिए: देवेन्द्र यादव

सुषमा रानी

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने कहा कि राज्यसभा सांसद, आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह के खिलाफ चुनाव आयोग जांच करे कि कैसे उनकी पत्नी अनीता सिंह हल्फनामे के अनुसार वो उत्तर प्रदेश के सुल्तान पुर की वोटर अपने को सिद्ध करती है, जबकि संजय सिंह प्रेस वार्ता करके उनका नाम दिल्ली की मतदाता सूची से कटवाने का आरोप लगा रहे है। नई दिल्ली क्षेत्र में उन्होंने वोट डालकर बाहर निकलने के बाद का फोटो भी रिलीज किया है।

रिप्रेजेंटेशन ऑफ़ पीपल एक्ट की धारा 31 के तहत यह दंडनीय अपराध हैं ।

उन्होंने कहा कि तथाकथित इमानदार केजरीवाल के सिपाही कहने वाले संजय सिंह अपनी स्थिति स्पष्ट करें कि अगर उनकी पत्नी ने दिल्ली का वोटर होते हुए वोट किया है तो फिर अनीता सिंह ने शपथ पत्र में सुल्तानपुर, उत्तर प्रदेश

का वोटर होने की बात क्यों लिखी? जो गैर कानूनी है। उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग और कानून लागू करने वाली एजेंसियों को दोषियों को दंडित करने के लिए सख्त कार्रवाई करनी चाहिए।

यादव ने कहा कि भाजपा और आम आदमी पार्टी के नेता पूर्वांचल और रोहिंग्या शरणार्थियों के वोट कटवाने की राजनीति करके दिल्ली वालों का ध्यान दिल्ली के रुके हुए विकास और मौजूदा परेशानियों से ध्यान भ्रमित करने की नौटंकी कर रही है। उन्होंने कहा कि जब एक चुनाव के आखिरी समय तक वोट बनता है तो क्यों संजय सिंह चर्चा का विषय बनकर लोगों का ध्यान अपनी पार्टी की ओर आकर्षित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी और भारतीय जनता पार्टी ध्यान भटकाने की राजनीति से हटकर युवाओं, महिलाओं, बुजुर्गों, दिव्यांगों, दलितों, वंचितों और आखिरी पंक्ति में खड़े व्यक्ति के कल्याण और विकास की बात करे। कांग्रेस दिल्ली और दिल्ली वालों के हितों और अधिकारों की बात करके विधानसभा चुनाव जनता के मुद्दों पर लड़ रही है।

नववर्ष की पूर्व संध्या पर राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से रात 9 बजे के बाद निकास बंद, प्रवेश रहेगा जारी

इशिका मुख्य रिपोर्टर

दिल्ली मेट्रो रेल निगम (DMRC) ने नववर्ष की पूर्व संध्या पर यात्रियों की सुरक्षा और भीड़ नियंत्रण के लिए विशेष प्रबंध किए हैं। 31 दिसंबर 2024 को रात 9 बजे के बाद राजीव चौक मेट्रो स्टेशन से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी, हालांकि प्रवेश की सुविधा सामान्य रूप से जारी रहेगी।

QR टिकट जारी करने पर प्रतिबंध

इसके अतिरिक्त, 31 दिसंबर को शाम 8 बजे से राजीव चौक मेट्रो स्टेशन के लिए यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए QR टिकट जारी नहीं किए जाएंगे। यह निर्णय स्टेशन पर अत्यधिक भीड़भाड़ से बचने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लिया गया है।

अन्य स्टेशनों पर सेवाएं सामान्य

DMRC ने स्पष्ट किया है कि यह प्रतिबंध केवल राजीव चौक मेट्रो स्टेशन पर लागू होगा। मेट्रो नेटवर्क के अन्य सभी स्टेशनों पर सेवाएं सामान्य रूप से संचालित होंगी, जिससे यात्रियों को वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करने में सुविधा होगी।

यात्रियों से सहयोग की अपील

मेट्रो अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध

किया है कि वे अपनी यात्रा की योजना पहले से बनाएं और समय पर मेट्रो स्टेशन पहुंचें। सुरक्षा उपायों के पालन में सहयोग करने से सभी के लिए सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित होगी।

नववर्ष के अवसर पर दिल्ली मेट्रो द्वारा उठाए गए इन कदमों का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा को प्राथमिकता देना है। यात्रियों से अपेक्षा है कि वे इन निर्देशों का पालन करें और सुरक्षित यात्रा का आनंद लें।

नोट: यह जानकारी दिल्ली मेट्रो रेल निगम द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना पर आधारित है। अधिक जानकारी के लिए DMRC की आधिकारिक वेबसाइट या संबंधित अधिकारियों से संपर्क करें।

राहुल मित्रा के 'टेडएक्स टॉक' ने जीता लोगों का दिल

सुषमा रानी

प्रसिद्ध पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता-अभिनेता और ब्रांडिंग विशेषज्ञ राहुल मित्रा के रोमांचक टेडएक्स टॉक 'क्रिएट विद करेज' को शुक्रवार को लखनऊ में जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट के खचाखच भरे ऑडिटोरियम में खूब वाहवाही मिली। इस वाहवाही की वजह यह थी क्योंकि उन्होंने दर्शकों को अपनी सीमाओं को आगे बढ़ाने, नाकामियों को स्वीकारने और आत्मविश्वास के साथ कुछ नया प्रयोग करने के लिए उत्साहित किया। राहुल मित्रा ने कहा कि 'साहस सिर्फ एक भावना नहीं है, बल्कि यह एक ऐसी प्रेरक शक्ति है, जो हमें डर का निडरता से सामना करने और हमेशा अग्रसर करने की दिशा में सक्षम बनाती है। साहस सिर्फ हमारे अंदर नहीं रहता, बल्कि हमें किसी भी तरह की चुनौती से लड़ने की ताकत देता है। साहस सफलता की कुंजी है। यह एक ऐसी ताकत है, जो हमें हर गिरावट के बाद उठ खड़े होने, दृढ़ संकल्प के साथ अज्ञात चीजों एवं भय का सामना करने के साथ अपने लिए तय सीमाओं को पार करने की शक्ति देती है।

राहुल मित्रा ने कहा कि साहस हमें असफलता को एक सबक के रूप में स्वीकार करना और हर असफलता को वापसी में बदलना सिखाता है। उन्होंने बताया कि 'टेडएक्स टॉक्स' विचारकों, उपलब्धियां प्राप्त करने वालों और प्रभावशाली लोगों के लिए अपने अनुभव और अंतर्दृष्टि को साझा करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। साथ ही, यह हमें चुनौतियों पर काबू पाने और सफलता हासिल करने के लिए एक रोडमैप भी प्रदान करता है।

दिल्ली में खरीदें अच्छा घर, DDA की योजना को मंजूरी; इन लोगों को कीमत में मिलेगी 25 प्रतिशत की छूट

डीडीए की विशेष आवास योजना 2025 को मंजूरी मिल गई है। इस योजना के तहत निर्माण श्रमिकों दिव्यांगों और ऑटो-कैब चालकों को 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। यह छूट नरेला सिरसपुर और लोकनायकपुरम में शुरू की गई तीन आवासीय योजनाओं में मिलेगी। इन योजनाओं में पीएम-विश्वकर्मा के लाभार्थियों महिलाओं एससी/एसटी वर्ग के व्यक्तियों शहीद सैनिकों की विधवाओं पूर्व सैनिकों और वीरता पुरस्कार विजेताओं शामिल हैं।

नईदिल्ली।दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की आवासीय योजनाओं में अब निर्माण श्रमिकों, दिव्यांगों, ऑटो-कैब चालकों को 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी। डीडीए के अध्यक्ष व एलजी वीके सक्सेना की अध्यक्षता में सोमवार को हुई बोर्ड बैठक में यह निर्णय लिया गया। बोर्ड बैठक में प्राधिकरण की तीन आवासीय योजनाओं को शुरू करने की भी मंजूरी मिली।

ये योजनाएं नरेला, सिरसपुर और लोकनायकपुरम में है। इन योजनाओं में पीएम-विश्वकर्मा के लाभार्थियों सहित महिलाओं और एससी/एसटी वर्ग के व्यक्ति, शहीद सैनिकों की

विधवाओं, पूर्व सैनिक और पीएम- एसवीएनिधि योजना सहित वीरता पुरस्कार विजेताओं को भी 25 प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

कमजोर वर्गों के लोगों के लिए सहूलियतें

आधिकारियों ने बताया कि इस फैसले से आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों और सबसे गरीब लोगों की आवास संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने में सहूलियत मिलेगी। इस दौरान एलजी ने कहा कि अब तक किसी ने भी शहर के सबसे गरीब लोगों की आवास आवश्यकताओं के बारे में गंभीरता से नहीं सोचा। लाखों लोगों के लिए घर बनाने वाले निर्माण श्रमिकों के सिर पर खुद छत नहीं थी और वे टेंट और झुग्गियों में रहने को मजबूर थे। एलजी ने कहा कि ऐसे में प्राधिकरण का यह फैसला इन लोगों के जीवन में एक महत्वपूर्ण बदलाव लाएगा।

डीडीए ने विशेष आवास योजना 2025 को भी मंजूरी

इसके अलावा डीडीए ने विशेष आवास योजना 2025 को भी मंजूरी दे दी। इससे अशोक पहाड़ी व जहांगीरपुरी के अलावा वसंत कुंज, द्वारका और रोहिणी जैसे लोकप्रिय इलाकों में 110 फ्लैट उपलब्ध होंगे। डीडीए बोर्ड बैठक में सभी को आवास उपलब्ध कराने के लिए कुछ श्रेणियों के लोगों के लिए डीडीए सस्ताघर आवास योजना 2024 और डीडीए मध्यमवर्गीय आवास योजना 2024 के तहत फ्लैटों पर 25 प्रतिशत छूट की मंजूरी दी है। इनमें ऑटो-रिक्शा चालक (परमिट धारक), कैब चालक, महिलाएं, एससी/एसटी, युद्ध विधवाएं, विकलांग व्यक्ति, पूर्व सैनिक और वीरता पुरस्कार प्राप्तकर्ता और पीएम-एसवीनिधि योजना के लाभार्थी शामिल हैं।

पहले आओ, पहले पाओ के तहत आवेदक आरक्षित

योजना के तहत नरेला (सभी श्रेणियां), सिरसपुर (एलआईजी), और लोकनायकपुरम (एलआइजी) फ्लैटों में से 25 प्रतिशत पहले आओ, पहले पाओ के तहत पात्र आवेदकों के लिए आरक्षित होंगे। इसके अलावा लोकनायकपुरम (एमआइजी) में 10 प्रतिशत फ्लैट भी छूट योजना के लिए आरक्षित होंगे। यह योजना 31 मार्च 2025 तक सीमित अवधि के लिए उपलब्ध है।

शकूरबस्ती में भू-उपयोग में बदलाव को मिली मंजूरी

बोर्ड बैठक में ग्रुप हाउसिंग प्रोजेक्ट के लिए शकूरबस्ती में 4.63 हेक्टेयर रेलवे भूमि के भू-उपयोग को परिवहन से आवासीय में बदलने की मंजूरी भी दे दी गई। इस संबंध में में अब आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित करने के लिए पब्लिक नोटिस जारी किया जाएगा। साथ ही बोर्ड बैठक में दिल्ली में निजी स्वामित्व वाली भूमि पर फ्यूल स्टेशन स्थापित करने के लिए रेग्यूलेशन और ईडब्ल्यूएस इकाइयों के डिस्पोजल के लिए विकसित संस्थाओं के लिए नीति दिशानिर्देश में संशोधन को भी मंजूरी दी गई।

जिलाधिकारी ने 4 एकड़ अवैध अफीम खेती को किया नष्ट, पश्चिम सिंहभूम का टैबो, सारंडा जांगल

कार्तिक कुमार परिच्छा, स्टेट हेड झारखंड

सरायकेला , मादक पदार्थ उत्पादन एवं तस्करी का अड्डा बना सारंडा जंगल व आस पास इलाके में पश्चिम सिंहभूम के जिला दंडाधिकारी -सह- उपायुक्त कुलदीप चौधरी द्वारा गृहसचिव ,झारखंड बंदना डाडेल एवं डी जी पी अनुराग गुप्ता के निर्देश के आलोक में मादक पदार्थ का उत्पादन/भंडारण पर अंकुश लगाने का कार्य को अंजाम । आज बंदगांव अंचल अधिकारी के सहयोग से टेबो जाकर जमीनी स्तर पर अफीम उन्मूलन कार्य को अंजाम दिया । निकट थाना के पुलिस बल की मौजूदगी में बंदगांव अंचल अंतर्गत टेबो के जंगल क्षेत्र में अवैध अफीम की खेती के विरुद्ध यह कार्रवाई करते हुए लगभग चार एकड़ में लगाए गए फसल को टैक्टर के माध्यम से विनष्ट किया गया।

सनद रहे कि गत दिनों गृहसचिव बंदना डाडेल पलामू जबकी डीजीपी गुप्ता सिंहभूम में पहूंचाकर नक्सल प्रभावित इलाकों की जायजा लिया था ।

गौतमबुद्ध नगर में 1 जनवरी 2025 तक धारा 163 लागू

किसान महापंचायत और नववर्ष समारोह के मद्देनजर प्रशासन सख्त

इशिका मुख्य रिपोर्टर

गौतमबुद्ध नगर में किसान आंदोलन और नववर्ष समारोह को ध्यान में रखते हुए प्रशासन ने 29 दिसंबर 2024 से 1 जनवरी 2025 तक धारा 163 लागू कर दी है। इस अवधि में बिना अनुमति के पांच या उससे अधिक लोगों के एकत्र होने और जुलूस निकालने पर प्रतिबंध रहेगा।

धारा 163 का उद्देश्य और प्रभाव

धारा 163, जिसे पहले भारतीय दंड संहिता की धारा 144 के नाम से जाना जाता था, 1 जुलाई 2023 से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएस) के तहत लागू की गई है। इसका उद्देश्य आपातकालीन स्थितियों या संभावित अशांति के दौरान सार्वजनिक सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इस धारा के तहत, स्थानीय प्रशासन किसी विशेष क्षेत्र या पूरे जिले में निषेधाज्ञा लागू कर सकता है।

किसान महापंचायत और नववर्ष समारोह पर नजर

ग्रेटर नोएडा के जीरो पॉइंट पर किसानों ने महापंचायत शुरू की है, जिसमें बड़ी संख्या में किसान शामिल हो रहे हैं। साथ ही, नववर्ष के अवसर पर युवाओं की भीड़ जुटने की संभावना है। इन दोनों घटनाओं को ध्यान में रखते हुए, प्रशासन ने जिले में धारा 163 लागू की है ताकि किसी भी अप्रिय घटना को रोका जा सके और शांति व्यवस्था बनाए रखी जा सके।

प्रशासन की सख्ती और नागरिकों के लिए निर्देश

धारा 163 लागू होने के बाद, यदि लोग सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति के एकत्र होते हैं, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी को ऐसे मामलों में तुरंत कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि किसी भी कार्यक्रम या जुलूस के लिए पूर्व अनुमति अनिवार्य है। नागरिकों से अपील की गई है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी अवैध गतिविधि में शामिल न हों।

सार्वजनिक सुरक्षा के लिए प्रशासन की पहल

प्रशासन ने जिले में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात किया है ताकि माहौल खराब करने वालों पर नजर रखी जा सके। नववर्ष के जश्न के दौरान हुड़दंगियों पर लगाम कसने के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं। नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयार है।

इस अवधि में नागरिकों से सहयोग की अपेक्षा की जाती है ताकि जिले में शांति और सुरक्षा बनी रहे। प्रशासन ने सभी से अनुरोध किया है कि वे नियमों का पालन करें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना तुरंत संबंधित अधिकारियों को दें।

गौतमबुद्ध नगर में धारा 163 की यह अवधि 1 जनवरी 2025 तक जारी रहेगी, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा कर आगे के निर्णय लिए जाएंगे।

गौतमबुद्ध नगर जिले में धारा 163 लागू होने के बाद, नागरिकों को नियमों का पालन करने और प्रशासन के निर्देशों का सम्मान करने की सलाह दी गई है। सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति के एकत्र होने से बचें और किसी भी प्रकार के जुलूस या प्रदर्शन के लिए प्रशासन से पूर्व अनुमति प्राप्त करें। नववर्ष के जश्न के दौरान शांति और संयम बनाए रखें, ताकि सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके।

यदि किसी को आवश्यक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ता है, तो वे अपने पहचान पत्र साथ रखें और आवश्यकतानुसार प्रशासन को दिखाएं। किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय पुलिस या प्रशासन से संपर्क करें। साथ ही, अफवाहों पर ध्यान न दें और सत्यापित सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धारा 163 का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसलिए, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे कानून का पालन करें और जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में सहयोग करें।

गौतमबुद्ध नगर में धारा 163 की यह अवधि 1 जनवरी 2025 तक जारी रहेगी, जिसके बाद स्थिति की समीक्षा कर आगे के निर्णय लिए जाएंगे। नागरिकों से अपेक्षा है कि वे प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करें और किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना से बचें।

गौतमबुद्ध नगर जिले में धारा 163 लागू होने के बाद, नागरिकों को नियमों का पालन करने और प्रशासन के निर्देशों का सम्मान करने की सलाह दी गई है। सार्वजनिक स्थानों पर बिना अनुमति के एकत्र होने से बचें और किसी भी प्रकार के जुलूस या प्रदर्शन के लिए प्रशासन से पूर्व अनुमति प्राप्त करें। नववर्ष के जश्न के दौरान शांति और संयम बनाए रखें, ताकि सभी के लिए सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित हो सके।

यदि किसी को आवश्यक कार्यों के लिए बाहर जाना पड़ता है, तो वे अपने पहचान पत्र साथ रखें और आवश्यकतानुसार प्रशासन को दिखाएं। किसी भी आपात स्थिति में स्थानीय पुलिस या प्रशासन से संपर्क करें। साथ ही, अफवाहों पर ध्यान न दें और सत्यापित सूचनाओं पर ही विश्वास करें।

प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि धारा 163 का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। इसलिए, सभी नागरिकों से अनुरोध है कि वे कानून का पालन करें और जिले में शांति और सुरक्षा बनाए रखने में सहयोग करें।

ग्रेटर नोएडा में किसानों की महापंचायत: 7 जनवरी को पुलिस कमिश्नर, डीएम और तीनों प्राधिकरणों के सीईओ के साथ बैठक निर्धारित

परिवहन विशेष न्यूज

ग्रेटर नोएडा में सोमवार को जीरो पॉइंट पर गौतमबुद्ध नगर संयुक्त मोर्चा द्वारा आयोजित महापंचायत में बड़ी संख्या में किसान एकत्रित हुए। महापंचायत की अध्यक्षता महरो देवी ने की, जबकि संचालन राजीव मलिक, कृष्णा नागर और बॉबी नागर ने संभाला। कार्यक्रम सुबह 10 बजे से प्रारंभ हुआ, जिसमें किसानों की भारी उपस्थिति के कारण प्रशासन सतर्क हो गया और मौके पर भारी पुलिस बल और अधिकारी पहुंच गए।

भारतीय किसान यूनियन के नेता राकेश टिकैत ने महापंचायत को संबोधित करते हुए शांतिपूर्ण धरने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ₹पुलिस और शासन तानाशाही तरीके से किसानों को जेल भेजने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन हमें डरने की कोई जरूरत नहीं है। सभी किसान संगठनों को अपने संगठन को मजबूत करना चाहिए और शांतिपूर्ण धरने को जारी रखना चाहिए।"

महापंचायत में किसानों ने आबादी निस्तारण, 2013 भूमि अधिग्रहण कानून के कार्यान्वयन और 10% विकसित प्लॉट की मांगों को प्रमुखता से उठाया। राकेश टिकैत ने जेल में बंद संयुक्त मोर्चा के किसानों की बिना शर्त रिहाई की भी मांग की।

इस दौरान एडीएम (वित्त) अतुल कुमार, तीनों प्राधिकरणों के ओएसडी, पुलिस की ओर से एडीसीपी अशोक कुमार समेत अन्य अधिकारी भारी पुलिस बल के साथ किसानों से वार्ता करने पहुंचे। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि 7 जनवरी को संयुक्त मोर्चा के साथ पुलिस कमिश्नर, जिला अधिकारी और तीनों प्राधिकरणों के सीईओ के साथ बैठक होगी, जिसमें सभी मुद्दों पर चर्चा कर समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने यह भी वादा किया कि उच्च अधिकारियों से बातचीत के बाद जेल में बंद किसानों को रिहा किया जाएगा और अंसल बिल्डर को विकास कार्य रोकने के लिए कहा जाएगा। इसके अलावा, बिना किसानों की सहमति के किसी भी निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

किसानों की इस महापंचायत और आगामी बैठक से क्षेत्र में विकास कार्यों और भूमि अधिग्रहण से जुड़े मुद्दों के समाधान की उम्मीद बढ़ी है। प्रशासन और किसान संगठनों के बीच संवाद स्थापित होने से भविष्य में ऐसे विवादों के शांतिपूर्ण समाधान की संभावनाएं प्रबल होती दिख रही हैं।

योगी सरकार से मिली हरी झंडी, यूपी के इस जिले में बनेगा बायोडायवर्सिटी पार्क; पर्यटन को तेजी से मिलेगा बढ़ावा

गाजियाबाद के प्रमुख पर्यटन स्थलों में दूधेश्वरनाथ मंदिर सीकरी माता मंदिर और मुरादनगर गंगनहर शामिल हैं। अब इसमें दो नए नाम रिवर फ्रंट और बायोडायवर्सिटी पार्क जुड़ने जा रहे हैं। बायोडायवर्सिटी पार्क को शासन से हरी झंडी मिल गई है। दूधेश्वरनाथ कॉरिडोर बनने से मंदिर में श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ेगी। सीकरी माता मंदिर में भी विकास कार्य कराए गए हैं।

गाजियाबाद। ऐतिहासिक और पौराणिक शहरों के रूप में अपनी विशेष पहचान रखने वाले गाजियाबाद के प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में मुरादनगर गंगनहर, दूधेश्वरनाथ मंदिर, सीकरी माता मंदिर का नाम शामिल है। इसमें दो नए नाम रिवर फ्रंट और बायोडायवर्सिटी पार्क जोड़ने के लिए प्रस्ताव तैयार किया गया था।

बायोडायवर्सिटी पार्क को शासन से हरी झंडी मिल गई है। हरनंदी किनारे रिवर फ्रंट बनाने का प्रस्ताव अब भी अटका हुआ है। यदि इसे मंजूरी मिल जाए तो जिले के पर्यटन को तेजी से बढ़ावा मिलेगा।

दूधेश्वरनाथ मंदिर को लेकर मान्यता है कि यहां पर रावण के पिता ऋषि विश्रवा जलाभिषेक करने के लिए आते थे। छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा दूधेश्वरनाथ मंदिर का जीर्णोद्धार भी कराया गया था। मंदिर में वर्तमान में वेद विद्यालय भी संचालित किया जाता है। मंदिर में हर साल सावन महीनें में लाखों की संख्या में श्रद्धालु भगवान दूधेश्वरनाथ का जलाभिषेक करने के लिए आते हैं। पौराणिक महत्व को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दूधेश्वरनाथ कॉरिडोर बनाने की घोषणा वर्ष 2024 में की है। इससे जिले के पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ेगी। नगर निगम और जीडीए द्वारा कॉरिडोर के लिए डिटेल प्रोजेक्ट रिपोर्ट तैयार करने का कार्य किया जा रहा है। दूधेश्वरनाथ मंदिर का सुंदरीकरण का कार्य पर्यटन विभाग द्वारा कराया जाएगा, इसके लिए तैयारी पूरी हो चुकी है। कॉरिडोर बनने से मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने की उम्मीद है। जिले में पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

सीकरी माता मंदिर में कराए गए विकास कार्य मोदीनगर के गांव सीकरी में स्थित सैकड़ों वर्ष पुराने सीकरी माता मंदिर में न केवल गाजियाबाद बल्कि अन्य जिलों और राज्यों के लोग माता महामाया देवी की पूजा करने के लिए आते हैं। नवरात्रों में यहां पर नौ दिन मेला लगता है। इस साल पर्यटन विभाग द्वारा मंदिर के पास नाले को कवर करने का काम कराया गया है। यात्रियों के लिए यात्री शेड बनाया गया है। दीवारों और फर्श पर टाइल्स और प्रकाश व्यवस्था के लिए लाइटें लगाई गई हैं। जिससे कि मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना न करना पड़े।

अंतराष्ट्रीय सामाजिक ट्रस्ट द्वारा फरीदाबाद के सीही सरकारी स्कूल में राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर समारोह का आयोजन किया : डॉ हृदयेश कुमार

परिवहन विशेष न्यूज

हरियाणा फरीदाबाद जिला के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सीही सैक्टर 08 के प्रांगण में सात दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सुधीर चौहान मुख्य नगर नियोजक एवं अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह, फरीदाबाद जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ मान सिंह, सुबोध कुमार साह, के एल अग्रवाल, सुनील कुमार जांगड़ा,, जिला समन्वयक रामचंद्र, एनएसएस अधिकारी निशा ने दीप प्रज्वलित करके किया। इस अवसर पर वैदिक यज्ञ का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जयप्रकाश वैष्णव ने मुख्य अतिथि को फूल माला पहनकर स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ एमपी सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना शिविर के माध्यम से विद्यार्थियों में समाज सेवा देश भक्ति की भावना बढ़ती है। इसके लिए स्कूल मात्र एक ऐसी जगह है जहां पर विद्यार्थियों को तरह तरह से प्रेरित किया जा सकता है ये सब भारत का भविष्य हैं वहीं ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार विदेश से वीडियो कॉल के माध्यम से कहा कि राष्ट्रीय सेवा योजना का नारा मैं नहीं आप हैं । सरकारी विद्यालयों में भी प्रतिभाओं की कमी नहीं है। छात्राओं को विभिन्न गतिविधियों, रैली, स्वच्छता व संगोष्ठी के कार्यक्रम किए और कहा कि हमारा उद्देश्य विभिन्न साहसिक गतिविधियों को बढ़ावा देना भारत के विभिन्न क्षेत्रों के प्रति प्रेम की भावना जागृत करना, नेतृत्व गुण, भाईचारा, टीम भावना और जोखिम लेने की क्षमता बढ़ाना शारीरिक और मानसिक शक्ति में सुधार करना है डॉ हृदयेश कुमार ने विशेष रूप से बताया कि

राष्ट्रीय सेवा योजना राष्ट्र की युवा शक्ति के व्यक्तित्व विकास हेतु युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित एक सक्रिय कार्यक्रम है। इसके गतिविधियों में भाग लेने वाले विद्यार्थी समाज के लोगों के साथ मिलकर समाज के हित के कार्य करते है। साक्षरता संबंधी कार्य, पर्यावरण सुरक्षा, स्वास्थ्य एवं सफाई आपातकालीन या प्राकृतिक आपदा के समय पीड़ीत लोगों की सहायता आदि। विद्यार्थी जीवन से ही समाजपयोगी कार्यों में रत रहने से उनमें समाज सेवा या राष्ट्र सेवा के गुणो का विकास होता है। एक आदर्श नागरिक बनने के लिए इन गुणों का विकास होना अत्यंत आवश्यक है।

राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना छात्र ! छात्राओं को सामाजिक समस्याओं के प्रति जागरूक बनाने तथा उनके समाधान के लिए रचनात्मक कार्यों में प्रेरित करने के लिए सतत्प्रयत्नशील है।

लक्ष्य और उद्धेश्य

राष्ट्रीय सेवा योजना का उद्धेश्य विद्यार्थिओं की सामाजिक चेतना को जागृत करना और उन्हें निम्नानुसार अवसर उपलब्ध करवाना है.

1. लोगों के साथ मिलकर कार्य करना।
2. स्वयं को सृजनात्मक और रचनात्मक सामाजिक कार्यों में प्रवृत्त करना।
3. स्वयं तथा समुदाय की ज्ञान वृद्धि करना।
4. समस्याओं को कुछ न कुछ हल करने में स्वयं की प्रतिभा का व्यावहारिक उपयोग करना।
5. प्रजातांत्रिक नेतृत्व को क्रियान्वित करने में दक्षता प्राप्त करना।
6. स्वयं को रोजगार के योग्य बनाने के लिए कार्यक्रम विकास में दक्षता प्राप्त करना।
7. शिक्षित और अशिक्षितों के बीच की दूरी को मिटाना।
8. समुदाय के कमजोर वर्ग की सेवा के लिए स्वयं में इच्छाएँ जागृत करना।

राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रमों का स्वरूप

राष्ट्रीय सेवा योजना के अन्तर्गत दो प्रकार के कार्यक्रमों का संचालन होता है

शिविर में विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने पारितोषिक देकर सम्मानित किया। शिविर को सफल बनाने में विद्यालय के प्राचार्य डॉक्टर जयप्रकाश वैष्णव व समस्त अध्यापक , अध्यापिकाओं

ने विशेष सहयोग किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी अध्यापकगण मौजूद थे।

विश्व में 2025 में करना है ऐसा धमाल- दुनियाँ कहे वाह रे भारत माता के लाल !-भारत ने 2024 में बौद्धिक क्षमता व नेतृत्व से किया कमाल

वैश्विक स्तरपर दुनियाँ का हर देश नए आगंतुक वर्ष 2025 को सैल्यूट करने के लिए बेसब्री से इंतजार राहत के यह नया वर्ष उनके लिए खुशियों का बेशुमार तोहफा लेकर आए। वैश्विक स्तरपर वर्ष 2024 को विदा होने में अभी कुछ पल शेष हैं, परंतु मेरा मानना है कि हमें समझ लेना है कि भारत में सफ़लताओं के झंडे गाड़ने वाले वर्ष 2024 सभी साथ मिलकर शुकराना अदा करें। हमें इतना सामर्थ्य बल प्रदान किया कि सभी क्षेत्रों में सफ़लताओं के ऐसे झंडे गाड़े कि विश्व की निगाहें भारत की ओर मुड़ गई कि आखिर इतनी भारी सफ़लताओं का राज क्या है ?क्योंकि न केवल 142.6 करोड़ विशाल जनसांख्यिकीय तंत्र का कुशल नेतृत्व बल्किआर्थिक,सामाजिक राजनीतिक नेतृत्व के गुणों की सुगंध को सारी दुनियाँ की नजरों में ले जाकर वैश्विक मंचों पर फिजिकली जाकर अपेक्षाकृत अधिक प्रतिष्ठा और मान सम्मान पाया ! विश्व की नजरें 2024 से भारत के प्रति बदल गई। वैश्विक नेताओं के भारत के प्रति बॉडी लैंग्वेजेस बदल गए। हर अंतरराष्ट्रीय मंच पर अमेरिका ब्रिटेन ऑस्ट्रेलिया जैसे राष्ट्राध्यशों की नजरें भारतीय पीएम को ढूंढते नजर आई। इसलिए हमें वर्ष 2024 का शुकराना अदा करना होगा क्योंकि अगर हम साल 2024 के पन्नों को पलट कर देखेंगे, तो इस साल में हमनें कई उपलब्धियां हासिल की है, जिसने देश का न सिर्फ मान बढ़ाया बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भी अलग पहचान दी है। अब आने वाले नए वर्ष 2025 वर्ष के लिए अभी से ही हर देशवासी को सफ़लताओं का सटीक इतिहास रचने का ऐसा रोडमैप बनाएं और क्रियान्वयन करें ताकि वर्षांत तक विश्व गुरु बनने का सपना साकार करने में पुरजोर मेहनत दिखे कि इंडिया जो कहता है वह करके दिखाता है।

साथियों बात अगर हम नए साल 2025 के स्वागत के साथउम्मीदों की करें तो, नया साल एक बार फिर भविष्य की नई उम्मीदें लेकर आ रहा है। भारतीय अर्थव्यवस्था को भी साल 2025 से काफी उम्मीदें हैं और उद्योग एवं आंतरिक संवर्द्धन विभाग की मानें तो अगला साल भारत के लिए विदेशी निवेश के मोर्चे पर अच्छा साबित होने वाला है। डीपीआईआईटी का कहना है कि वैश्विक अनिश्चितताओं और चुनौतियों के बावजूद भारत में 2024 में जनवरी से अब तक औसतन मासिक प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 4.5 अरब डॉलर से अधिक रहा है।पीएम नीत सरकार के देश में निवेशक अनुकूल उपायों को बढ़ावा देने से 2025 में भी यह रुझान बरकरार रहने की उम्मीद है (1) तकनीकी प्रगति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस- यह 2024 की तरह 2025 भी तकनीकी तौर पर दुनिया को बदलकर रख देने वाले बदलावों का साक्षी होगा,जिस तरह 2024 में एआई ने दुनिया को आसान बनाया, नया साल भी नए बदलावों से एक बार फिर हैरान करेगा. खासकर हेल्थ केयर फाइनेंस उद्योग क्षेत्र में कारगर सिद्ध होगा। (2)जलवायु परिवर्तन और पर्यावरणीय स्थिरता-2020 के दशक को क्लाइमेट एक्शन के लिए 'निर्णायक दशक' माना जाता है सस्टेनेबल फ्यूचर की दिशा में ये ज़रूरी कदम उठाने का एक महत्वपूर्ण समय है। हरित ऊर्जा क्रांति की बात करें, तो जैसे-जैसे जलवायु परिवर्तन तीव्र होता जाएगा, नवीकरणीय ऊर्जा में वैश्विक निवेश बढ़ता रहेगा2025 में इसकी अनेक उम्मीदें है। (3) भू-राजनीतिक बदलाव-उम्मीद की जा रही है कि साल 2025 में दुनिया के चार बड़े नेता, यानी ट्रंप, पुतिन, शी जिनपिंग और नरेन्द्र मोदी एक बार फिर से भू-राजनीति की दिशा तय करेंगे।2025 में दुनिया के सबसे शक्तिशाली लोकतंत्र, यानी अमेरिका के राष्ट्रपति के रूप में डोनाल्ड ट्रंप का दूसरा कार्यकाल शुरू होगा (1) इस कार्यकाल में ट्रंप घरेलू स्तर पर एक ऐसा माहौल बनाने की कोशिश करेंगे, जिसमें विकास पर ज़ोर होगा और नई नौकरियों के सृजन पर फोकस किया जाएगा. साथ ही, कारगर अर्थव्यवस्था के निर्माण पर फोकस होगा, इसके अलावा उम्मीद की जा रही है कि ट्रंप दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में छिड़े युद्ध को खत्म करने की दिशा में भी पहल करेंगे। (2) रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, रूस के राष्ट्रपति के रूप में अपना 20 वां साल पूरा कर रहे हैं, 2025 में पुतिन अपने क्षेत्रीय विस्तार की मुहिम जारी रखेंगे। (3) दुनिया की सबसे बड़ी तानाशाही सरकार और विश्व की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, यानी चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की बात करें, तो उनके नेतृत्व में देखा गया है कि वैश्विक स्तर पर भू-राजनीति और व्यापार के क्षेत्र में चीन का आक्रामक रुख रहा है। लेकिन 2025 में लगता है कि वे दबदबा क़ायम करने वाले अपने इस रवैये में कमी लाएंगे और घरेलू अर्थव्यवस्था और देश के भीतर पैदा हो रहे असंतोष से निपटने पर ध्यान केंद्रित करेंगे (4)वैश्विक अर्थव्यवस्था महंगाई और आर्थिक सुधार की बात करें तो वैश्विक अर्थव्यवस्था को महंगाई के दबाव का सामना करना पड़ सकता है, खासकर जब देश महामारी के वित्तीय प्रभावों से उबर रहे हों।अनुमान लगाया गया है कि साल 2025 से 2026 तक एशिया की उभरतीअर्थव्यवस्थाएं वैश्विक आर्थिक विकास में प्रमुख योगदानकर्ता बनी रहेंगी और वैश्विक व्यापार में चीन की हिस्सेदारी और बढ़ेगीअमेरिका की इकोनॉमी 2024 में 2.8 फीसदी बढ़ेगी, और 2025 में 2.4 फीसदी और 2026 में 2.1 फीसदी बढ़ेगी (5) भारत की बात करें, तो क्रिसिल की ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025 में भारत की जीडीपी वृद्धि दर 6.5प्रतिशत से 7 प्रतिशत के बीच रह सकती है. मजबूत आर्थिक गतिविधियों और खपतमें सुधार केचलते ये अनुमान लगाया गया है।

साथियों बात अगर हम विज़न 2047 में वर्ष 2025 के महत्वपूर्ण योगदान की उम्मीद की करें तो, सरकार ने भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का लक्ष्य रखा है। इसके लिए सकल घरेलू उत्पाद में मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर की हिस्सेदारी को मौजूदा 17 फीसदी से बढ़ाकर 25 फीसदी तक ले जाने का लक्ष्य रखा गया है। इस सपने को पूरा करने के लिए नीति आयोग ने विजन -2047 भी पेश किया है।इसके तहत अर्थव्यवस्था को 3.36 ट्रिलियन डॉलर के मौजूदा स्तर से 9 गुना वृद्धि का लक्ष्य है।ऐसे में प्रति व्यक्ति आय को सालाना 2,392 डॉलर के स्तर से 8 गुना बढ़ाना का भी लक्ष्य है।इससे 2047तक 30ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था वाले भारत में 18 हजार डॉलर की प्रति व्यक्ति सालाना आय होगी। इसके साथ ही गांवों को गरीब मुक्त बनाया जाएगा। विजन के तहत आम लोगों के लिए बेहतर आवास, शिक्षा, स्वच्छ पेयजल, सुलभ तरीके से जनसुविधाओं को मुहैया कराया जाना भी शामिल है। (1) रोजगार बढ़ेंगेः सरकार ने 14 क्षेत्र में उत्पादन लिंक्ड प्रोत्साहन योजना को शुरू किया। अब मोबाइल मैन्युफैक्चरिंग, फॉर्मास्यूटिकल, इंजीनियरिंग गुड्स जैसे कई क्षेत्रों को इसका फायदा मिला है। इन क्षेत्रों में रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं। (2) युवाओं की दक्षता बढ़ाएंगेः देश के युवा को स्किल से लैस बनाने के लिए सरकार काम कर रही है। कौशल विकास कार्यक्रम के तहत 20 लाख युवाओं को कौशल प्रशिक्षण दिया जाएगा। (3) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए)भारत ने इस वर्ष चार यूरोपीय देशों के साथ एक मुक्त व्यापार समझौता किया है। अगले 15 सालों में 10 लाख नौकरियां पैदा होंगी। इनमें स्विट्ज़रलैंड, नॉर्वे, आइसलैंड और लिनसेस्टाइन शामिल है। (4) विनिर्माण में नेतृत्वभारत का सेमीकंडक्टर बाजार 2026 तक 55 अरब डॉलर और 2030 तक 110 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। फिलहाल सेमीकंडक्टर का इस्तेमाल स्मार्टफोन, कारों, डेटा सेंटर और इलेक्ट्रिक उपकरणों में इसका इस्तेमाल होता है।

साथियों बात अगर हम वर्ष 2024 के साथ ऐतिहासिक यारी और आर्थिक क्षेत्र में शुकराने के कारणों की करें तो हमें, तमाम चुनौतियों के बावजूद देश में आर्थिक विकास को गति मिल रही है। वैश्विक स्तर पर भारत बड़ी अर्थव्यवस्था बनकर उभर रहा है। आत्मनिर्भर भारत बनाने की दिशा में शुरू किए गए प्रयासों का अब असर दिखाई देना लगा है। मेक इन इंडिया के तहत दुनिया भर की कंपनियां अब भारत में आ रही है और यहां पर अपने उत्पाद तैयार कर रही हैं। जीएसटी कलेक्शनः टैक्स कलेक्शन के मोर्चे पर भारी तेजी देखने को मिल रही है।अप्रैल 2024 में जीएसटी कलेक्शन 2.10 लाख करोड़ के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। नवंबर में यह 1.82 लाख करोड़ का रहा है। विदेशी मुद्रा भंडारः 20 सितंबर को विदेशी मुद्रा भंडार 2.84 अरब डॉलर बढ़कर 692.30 अरब डॉलर के रिकॉर्ड पर पहुंचा। सितंबर में मुद्रा भंडार 22.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 689.46 अरब डॉलर की नई ऊंचाई पर पहुंचा था। आंकड़ों में सबसे कम बेरोजगारीः वित्त वर्ष 2024-25 की दूसरी तिमाही में शहरी बेरोजगारी की दर घटकर 6.4 प्रतिशत पर आ गई है। यह 2017 से संकलित किए जा रहे आंकड़ों में सबसे कम बेरोजगारी है।सोना-चांदी ने भरी उड़ानः 45 वर्ष में पहली बार एक वर्ष की अवधि में सोना-चांदी एक साथ सबसे अधिक बढ़े। सोना 81 हजार प्रति तौला और चांदी एक लाख प्रतिकिलो के स्तर से पार पहुंचे। यूपीआई का बढ़ रहा दबदबाः जनवरी से नवंबर 2024 के बीच यूपीआई से 15,547 करोड़ से अधिक लेन-देन हुए हैं, जिनके जरिए 223 लाख करोड़ रुपये की राशि का लेनदेन हुआ। 7.28 करोड़ आईटीआरः आकलन वर्ष 2024-25 के लिए कुल 7.28 करोड़ आईटीआर दाखिल किए गए। इनमें 5.27 करोड़ रिटर्न नए टैक्स रिजीम के तहत दाखिल हुए।सेंसेक्स-निफ्टी की उड़ानः सितंबर को सेंसेक्स85,978.25 के अपने रिकॉर्ड उच्चस्तर पर पहुंचा था। निफ्टी ने भी 26,277 के सर्वकालिक उच्चस्तर को छुआ। उसके बाद से उतार- चढ़ाव जारी है।

साथियों बातें कर हम स्पोर्ट्स क्षेत्र में 2024 को शुक्राने की करें तो, एक क्रिकेट विश्व कप, आधा दर्जन ओलंपिक पदक और दो शतरंज विश्व चैंपियन, वर्ष 2024 ने भारतीय खेल प्रशंसकों को जश्न मनाने के कई मौके दिए जिससे खेलों की दुनिया में देश का भविष्य उज्जवल नजर आता है, यूं तो वर्ष 2024 ने भारतीय खेलों में कुछ यादगार पल जोड़े लेकिन जिन तारीखों को याद किया जाएगा उनमें 29 जून, 30 जुलाई, 12 दिसंबर और 28 दिसंबर शामिल हैं। भविष्य की दिशा में एक बड़ा कदम 2036 ओलंपिक की मेजबानी के इरादे का औपचारिक आशय पत्र सौंपना रहा, यह एक ऐसा कदम है जिसमें देश के खेल परिदृश्य को बदलने की क्षमता है।पिछले चार महीनों में शतरंज बोर्ड भारत के लिए खुशहाली का मैदान बन गया है, जहां पुरुष और महिला दोनों टीमों ने सितंबर में पहली बार ओलंपियाड में स्वर्ण पदक जीते हैं वहीं डी गुकेश और कोनेरू हम्पी ने दिसंबर में विश्व खिताब के साथ नई ऊंचाइयों को छुआ ।गुकेश 12 दिसंबर को 18 साल की उम्र में चीन की डिंग लिरेन को हराकर सबसे कम उम्र के विश्व चैंपियन बने जबकि 37 वर्षीय हम्पी ने 28 दिसंबर को अपने करियर में दूसरी बार महिलाओं का रैपिड विश्व खिताब जीता।

साथियों बात अगर हम रक्षा क्षेत्र में 2024 को शुक्राने की करें तो,साल 2024 में रक्षा के मोर्चे पर कई ऐसी घटनाएं हुईं जो 'इतिहास में पहली बार' श्रेणी में दर्ज हो गई। पूरा साल देश को मिली महत्वपूर्ण उपलब्धियों और सफलताओं के नाम रहा। भारत को मजबूत, सुरक्षित,आत्मनिर्भर और समृद्ध राष्ट्र बनाने के लिए रक्षा मंत्रालय ने पूरी ताकत झोंक दी।54 मंत्रालयों में सबसे अधिक पैसा रक्षा मंत्रालय को दिया गया था।खास बात यह है कि भारत सरकार के 54 मंत्रालयों और 93 विभागों में रक्षा मंत्रालय को सबसे अधिक फंड आवंटित किया गया। केंद्र सरकार के कुल खर्च का लगभग 13 फीसदी हिस्सा रक्षा मंत्रालय को दिया गया।

अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि विश्व में 2025 में करना है ऐसा धमाल- दुनियाँ कहे वाह रे भारत माता के लाल !-भारत ने 2024 में बौद्धिक क्षमता व नेतृत्व से किया कमाल।2025 की बारी-विश्व गुरु बनने की तैयारी-अद्भुत रही वर्ष 2024 से यारी।हर देशवासी को 2025 की सफ़लताओं की गाथाओं का ऐसा इतिहास रचना होगा कि दुनियाँ के रोंगटे खड़े हो जाएं, कहें वाह रे भारत के लाल तूने कर दिया कमाल !

क़र विशेषज्ञ स्तंभकार साहित्यकार अंतरराष्ट्रीय लेखक चिंतक कवि संगीत माध्यमा सीए(एटीसी) एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

एमजी कॉमेट ईवी से मुकाबला करने फ्रांस की कंपनी ला सकती है नई इलेक्ट्रिक कार, टेस्टिंग के दौरान मिली जानकारी

परिवहन विशेष न्यूज

भारत में लगातार Electric Car का बाजार बड़ा हो रहा है। कई नए वाहन निर्माता भी भारतीय बाजार में EV को पेश और लॉन्च कर रहे हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्द ही एक और कंपनी भारत में अपनी EV को लाने की तैयारी कर रही है। किस कंपनी की ओर से किस सेगमेंट में किस गाड़ी को लाया जा सकता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। दुनिया के साथ ही भारत में भी Electric Cars की मांग बढ़ रही है। जिसे देखते हुए कई निर्माताओं की ओर से भारतीय बाजार का रुख किया जा रहा है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक जल्द ही एक और नई कंपनी की ओर से भारत में नई इलेक्ट्रिक कार को पेश किया जा सकता है। किस कंपनी की ओर से किस गाड़ी को कब तक बाजार में लाया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

भारत आ सकती है Ligier की नई Electric Car

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रांस की वाहन निर्माता Ligier भी भारतीय बाजार में आने की तैयारी कर रही है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की Electric Car को भारत में टेस्टिंग के दौरान देखा गया है, जिसके बाद यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि कंपनी नई गाड़ी के साथ भारत में अपनी मौजूदगी दर्ज करवा सकती है।

कैसी होगी गाड़ी

रिपोर्ट्स के मुताबिक जो जानकारी मिल रही है उसमें गाड़ी को टू-डोर इलेक्ट्रिक कार के तौर पर लाया जा सकता है। जिसमें कुछ बेहतरीन फीचर्स को भी दिया जा सकता है। इसके साथ ही इस कार को एक एंट्री लेवल इलेक्ट्रिक कार के तौर पर लाया जा सकता है, जिसका सीधा मुकाबला MG Comet EV के साथ होगा।

क्या है खासियत

Ligier की ओर से Myli नाम की Electric Car को चार वेरिएंट और तीन बैटरी के विकल्प के साथ लाया जा सकता है। जिसमें G.OOD, i.DEAL, E.PIC और R.EBEL शामिल हैं। इसमें 4.14, 8.28 और 12.42 kWH की क्षमता की बैटरी के विकल्प दिए जा सकत हैं, जिससे गाड़ी को फुल चार्ज के बाद 63 किलोमीटर से लेकर 192 किलोमीटर तक की रेंज मिल सकती है।

कैसे होंगे फीचर्स

कंपनी की ओर से इस गाड़ी में ईको मोड, रीजनरेटिव ब्रेकिंग, 13 से 15 इंच अलॉय व्हील्स, हीटेड विंडस्क्रीन, 10 इंच टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, रिवर्स कैमरा, सेंट्रल डोर लॉक, फ्रंट और रियर में डिस्क ब्रेक, 8 रंगों के विकल्प, 459 लीटर की क्षमता का बूट स्पेस, हीटेड ड्राइवर सीट और एसी, एलईडी लाइट्स और डीआरएल जैसे फीचर्स के साथ लाया जा सकता है।

कितनी होगी कीमत

फ्रांस की कंपनी की ओर से फिलहाल इसे अपने ही देश में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। जहां इसकी कीमत 12499 यूरो (11.15 लाख रुपये) से लेकर 17099 यूरो (15.26 लाख रुपये) के बीच है। लेकिन भारतीय बाजार में अगर इस गाड़ी को लाया जाता है तो फिर इसकी कीमत में काफी कटौती करनी पड़ सकती है। जिस कारण इसे भारत में लाने की उम्मीद काफी कम लगती है।

एक लाख रुपये से कम कीमत में मिलती हैं ये चार कम्युटर बाइक्स, फीचर्स में भी हैं दमदार

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में कई बेहतरीन बाइक स की बिक्री की जाती है। कई निर्माताओं की ओर से एक लाख रुपये से कम कीमत में कुछ ऐसी बाइक स को ऑफर किया जाता है जिनमें बेहतरीन फीचर्स भी मिलते हैं। किस कंपनी की ओर से ऐसी कौन सी बाइक को ऑफर किया जाता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। अगर आप अपने लिए बाइक खरीदने का मन बना रहे हैं, लेकिन ज्यादा कीमत देकर बाइक को नहीं खरीदना चाहते तो किस कंपनी की ओर से किस कम्युटर बाइक्स को बाजार में ऑफर किया जाता है। एक लाख रुपये से कम कीमत पर बेहतरीन फीचर्स और माइलेज के साथ किन चार बाइक्स में से एक को चुना जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

125 सीसी सेगमेंट में मिलती हैं बेहतरीन बाइक स

भारत में बड़ी संख्या में लोग हर रोज बाइक्स से सफर करते हैं। एंट्री लेवल सेगमेंट के साथ ही Commuter Segment में 125 सीसी की बाइक्स को भी काफी पसंद किया जाता है। इस सेगमेंट में प्रमुख दो पहिया निर्माताओं की ओर से बेहतरीन बाइक्स को एक लाख रुपये से कम कीमत पर उपलब्ध करवाया जाता है। जिनको बेहतरीन स्टाइल, फीचर्स और दमदार इंजन के साथ रोज उपयोग में लाया जा सकता है।

Hero Xtreme 125R

भारत की प्रमुख दो पहिया निर्माता हीरो मोटोकॉर्प की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन बाइक्स की बिक्री की जाती है। कंपनी की ओर से 125 सीसी सेगमेंट में Hero Xtreme 125R बाइक को लाया जाता है। इसमें 124.7 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन मिलता है। जिससे इसे 11.4 बीएचपी की पावर और 10.5 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 95 हजार रुपये से शुरू हो जाती है।

Honda Shine 125

जापानी वाहन निर्माता होंडा मोटरसाइकिल की ओर से भी 125 सीसी सेगमेंट में Honda Shine 125 को ऑफर किया जाता है। कंपनी की इस बाइक में 123.94 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया जाता है, जिससे बाइक को 7.9 किलोवाट की पावर और 11 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसे भारत में 81251 रुपये की शुरुआती एक्स शोरूम कीमत पर खरीदा जा सकता है।

TVS Raider igo

भारत की एक और प्रमुख दो पहिया वाहन निर्माता टीवीएस की ओर से रेडर igo बाइक को भी 125 सीसी सेगमेंट में बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। कुछ समय पहले पेश की गई बाइक में 124.8 सीसी की क्षमता का एयर और ऑयल कूल्ड 3V इंजन दिया गया है। जिससे बाइक को 8.37 किलोवाट की पावर (TVS Raider 125 Performance) और 11.75 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसकी एक्स शोरूम कीमत 98530 रुपये है।

Bajaj Pulsar N125

बजाज की ओर से एन सीरीज में पल्सर 125 को बिक्री के लिए उपलब्ध करवाया जाता है। इस बाइक में 124.59 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया जाता है। जिससे बाइक को 12 पीएस और 11 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। इसकी कीमत 96704 रुपये एक्स शोरूम है।

स्कोडा ऑक्टेविया आरएस को भारत में ला सकती है कंपनी, भारत मोबिलिटी 2025 में कर सकती है पेश

परिवहन विशेष न्यूज

चेक रिपब्लिक की वाहन निर्माता की ओर से जल्द ही नई गाड़ी को भारत में लाया जा सकता है। Skoda Octavia RS के तौर पर आने वाली इस गाड़ी को Bharat Mobility 2025 में पेश किया जा सकता है। इस गाड़ी में किस तरह के फीचर्स दिए जाते हैं और कितना दमदार इंजन मिलता है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। यूरोप की वाहन निर्माता Skoda की ओर से भारतीय बाजार में कई बेहतरीन वाहनों को ऑफर किया जाता है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक कंपनी की ओर से जल्द ही एक और गाड़ी को भारत में पेश करने की तैयारी की जा रही है। Bharat Mobility 2025 में कंपनी की ओर से किस नई गाड़ी को भारतीय बाजार में पेश किया जा सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

पेश हो सकती है Skoda Octavia RS

स्कोडा की ओर से Octavia RS को भारतीय बाजार में जल्द ही पेश किया जा सकता है। कंपनी की इस गाड़ी को लग्जरी सेडान सेगमेंट में लाया जाएगा। फिलहाल इस गाड़ी को पेश किया जाएगा और कुछ समय बाद इसे लॉन्च भी किया जा सकता है। फिलहाल इस बारे में कंपनी की ओर से किसी भी तरह की आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। लेकिन ग्लोबल स्तर पर पेश की गई Skoda Octavia RS को Bharat Mobility 2025 में लाया जा सकता है।

कैसे हैं फीचर्स

कंपनी की ओर से इस गाड़ी में कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाता है। इसमें फुल ब्लैक इंटीरियर के साथ ही रेड इंसर्ट्स को दिया जाता है, जिससे यह देखने में काफी प्रीमियम लगती है। इसके साथ ही इसमें आरएस की बैजिंग के साथ स्पोर्ट्स कार वाली सीट्स को दिया जाता है। इसमें कार्बन फाइबर, 13 इंच की सेंट्रल डिस्प्ले, नेविगेशन सिस्टम को स्टैंडर्ड तौर पर दिया गया है। थ्री स्पोक स्टेयरिंग व्हील, इलेक्ट्रिक एडजस्टमेंट वाली सीट्स, मेमोरी फंक्शन और सीट कुशन, 10 इंच डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, एल्यूमिनियम फिनिश पैडल्स, एलईडी मैट्रिक्स हेडलाइट्स, 18 और 19 इंच अलॉय व्हील्स, रियर एलईडी लाइट्स, के साथ कई बेहतरीन सेफ्टी फीचर्स को दिया गया है।

कितना दमदार इंजन

स्कोडा की ओर से ऑक्टाविया आरएस को सामान्य ऑक्टाविया के मुकाबले ज्यादा दमदार इंजन के साथ लाया गया है। इसमें दो लीटर का टीएसआई इंजन दिया जाता है। जिससे गाड़ी को 265 हॉर्स पावर के साथ 370 न्यूटन मीटर का टॉर्क मिलता है। यह पावर इसके पुराने वर्जन के मुकाबले 15 किलोवाट ज्यादा है। इसमें 7स्पीड डीएसजी ट्रांसमिशन को दिया गया है। इस इंजन के साथ यह कार 6.4 सेकेंड में ही 0-100 किलोमीटर की स्पीड पकड़ सकती है। वहीं इसकी टॉप स्पीड 250 किलोमीटर प्रति घंटा तक है।

सेडान के साथ मिलेगा एस्टेट का विकल्प

कंपनी की ओर से इस गाड़ी को सिर्फ सेडान कार के तौर पर ही नहीं लाया जाएगा, बल्कि इसको एस्टेट डिजाइन वाली कार के तौर पर भी लाया जा सकता है। जिसमें सेडान की तरह तीन बॉक्स का डिजाइन नहीं होगा बल्कि रियर से वह एक हैचबैक की तरह होगी।

इंजन, फीचर्स, डायमेंशन और कीमत के मामले में किस एसयूवी को खरीदना होगा बेहतर

भारतीय बाजार में कई वाहन निमाताओं की ओर से अलग अलग सेगमेंट में कई वाहनों की बिक्री की जाती है। Honda की ओर से Mid Size SUV सेगमेंट में Honda Elevate को लाया जाता है जिसे Kia Seltos से चुनौती मिलती है। दोनों SUV में किस तरह के फीचर्स को दिया जाता है। कितना दमदार इंजन मिलता है। किसे खरीदना बेहतर होगा। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में Mid Size SUV सेगमेंट में कई कंपनियों की ओर से अपने उत्पादों को ऑफर किया जाता है। लेकिन Honda Elevate और Kia Seltos जैसी एसयूवी के बीच कड़ा मुकाबला होता है। इंजन, फीचर्स, डायमेंशन और कीमत के मामले में दोनों में से किस एसयूवी (Honda Elevate Vs Kia Seltos) को खरीदना बेहतर विकल्प साबित हो सकता है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

Honda Elevate Vs Kia Seltos Features

होंडा एलिवेट एसयूवी में कंपनी की ओर से कई बेहतरीन फीचर्स को ऑफर किया जाता है। इसमें एलईडी डीआरएल, एलईडी प्रोजेक्टर हेडलाइट्स, एलईडी टेल लैंप, फ्रंट और रियर बंपर पर सिल्वर स्किड गार्निश, 16 और 17 इंच व्हील्स, शॉर्क फिन एंटीना, बॉडी कलर्ड डोर मिरर, सिंगल पेन सनरूफ, बेज और ब्लैक इंटीरियर, स्टेयरिंग माउंटिड ऑडियो कंट्रोल्स, स्मार्ट की, की-लैस एंट्री, पुश बटन स्टॉर्ट/स्टॉप, पिंच गार्ड ड्राइवर पावर विंडो, पावर एडजस्टेबल मिरर, फुली ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल के साथ मैक्स कूल मोड, रियर एसी वेंट, पीएम 2.5 केबिन एयर प्यूरीफायर, ऑटो डोर लॉक-अनलॉक, टेलीस्कोपिक और टिल्ट स्टेयरिंग व्हील, ड्राइवर सीट हाइट एडजस्टर, 60-40 स्प्लिट सीट, 10.25 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंबिएंट लाइट्स, फोल्डेबल ग्रैब हैंडल जैसे कई फीचर्स मिलते हैं। वहीं Kia Seltos में कंपनी की ओर से एलईडी हेडलाइट्स, एलईडी डीआरएल, एलईडी फॉग लैंप, 18 इंच व्हील्स, शॉर्क फिन एंटीना, स्पोर्ट्स एग्जॉस्ट, पैनोरमिक सनरूफ, ब्लैक इंटीरियर, 360 डिग्री कैमरा, पार्किंग सेंसर, फ्रंट वेंटिलेटिड सीट्स, ड्यूल जोन एसी, बोस प्रीमियम साउंड सिस्टम, आठ इंच इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, 10.25 इंच इंफोटेनमेंट सिस्टम जैसे फीचर्स दिए जाते हैं।

Honda Elevate Vs Kia Seltos Safety Features

होंडा एलिवेट एसयूवी में 6 एयरबैग, थ्री पाइंट ईएलआर, आइसोफिक्स चाइल्ड एंकरेज, मल्टी एंगल रियर कैमरा, रियर पार्किंग सेंसर, एबीएस, ईबीडी, ब्रेक असिस्ट, ब्रेक ओवर राइड सिस्टम, वीएसए, ट्रैक्शन कंट्रोल, हिल स्टार्ट असिस्ट, ईएसएस, ऑटो हेडलाइट्स, ऑटो डिमिंग इनसाइड रियर व्यू मिरर, रियर वाइपर और वॉशर, स्पीड अलार्म इंडीकेटर, इमोबिलाइजर, बैटरी सेंसर, ADAS जैसे सेफ्टी फीचर्स मिलते हैं।

इस साल इन चार बाइक स ने ली बाजार से विदाई, जानें कौन कौन से मॉडल रहे शामिल

परिवहन विशेष न्यूज

भारतीय बाजार में वैसे तो हर साल कई नई बाइक स को पेश और लॉन्च किया जाता है। लेकिन साल 2024 के दौरान कुछ ऐसी बाइक स भी रहीं जिनको किसी न किसी कारण के चलते डिस्कंटीन्यू कर दिया गया। किस कंपनी की ओर से ऑफर की जाने वाली किस बाइक को साल 2024 के दौरान हटा दिया गया है। आइए जानते हैं।

नई दिल्ली। साल 2024 भारत में वाहन निर्माताओं के लिए काफी व्यस्त साल रहा है। इस साल जहां कई नई बाइक्स को बाजार में लाया गया वहीं कुछ ऐसी बाइक्स भी रहीं जिनको बाजार से हटाया गया है। किस कंपनी की ओर से किस बाइक को इस साल बाजार से हटाया गया है। हम आपको इस खबर में बता रहे हैं।

कितनी बाइक स को बाजार से हटाया गया

रिपोर्ट्स के मुताबिक साल 2024 के दौरान भारतीय बाजार में चार बाइक्स को हटाया गया है। इनमें से एक बाइक जापानी वाहन निर्माता होंडा मोटरसाइकिल की है और तीन बाइक्स हीरो मोटोकॉर्प की हैं। इन कंपनियों ने भले ही साल में चार बाइक्स की बिक्री बंद की हो, लेकिन इनकी जगह ज्यादा बेहतर विकल्प बाजार में लाए गए हैं और कुछ बाइक्स को अगले साल आधिकारिक तौर पर लॉन्च किया जा सकता है।

Honda ने हटाई ये बाइक

जापानी दो पहिया निर्माता होंडा मोटरसाइकिल की ओर से भारतीय बाजार में वैसे तो कई बेहतरीन बाइक्स की बिक्री की जाती है लेकिन कंपनी ने साल 2024 के दौरान अपनी एक बाइक की बिक्री बंद कर दी है। जानकारी के मुताबिक कंपनी की ओर से Honda X-Blade नाम की बाइक को बाजार से इस साल हटाया है। इस बाइक को पहली बार साल 2018 में लाया गया था। जिसे Honda CB Hornet 160 बाइक पर बनाया गया था। इसमें 162 सीसी का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया था और इसकी कीमत करीब 81 हजार रुपये थी।

Hero Passion Xtec

हीरो मोटोकॉर्प की ओर से कम बजट वाले सेगमेंट में वैसे तो कई बाइक्स को ऑफर किया जाता है। लेकिन इस साल कंपनी की ओर से Hero Passion Xtec बाइक को डिस्कंटीन्यू कर दिया गया है। बिक्री में लगातार कमी के कारण इस बाइक को बाजार से हटाया गया है। इसमें 113.2 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया जाता था और इसकी एक्स शोरूम कीमत करीब 82 हजार रुपये थी।

Hero Xpulse 200T

हीरो मोटोकॉर्प की ओर से दूसरी बाइक के तौर पर Xpulse 200T बाइक को भी बाजार से हटाया गया है। इसमें कई बेहतरीन फीचर्स ऑफर किए जाते थे, जिसमें डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ब्लूटूथ कनेक्टिविटी शामिल थी। इसमें 199.5 सीसी की क्षमता का सिंगल सिलेंडर इंजन दिया जाता था और इसकी एक्स शोरूम कीमत 1.37 लाख रुपये थी। इसकी जगह नई एक्सट्रीम 210 लेगी।

Hero Xtreme 200S 4V

हीरो की ओर से तीसरी बाइक के तौर पर जिस बाइक को बाजार से हटाया गया है उसमें Hero Xtreme 200S 4V भी शामिल है। लगातार कम बिक्री के कारण इस बाइक को भी साल 2024 में बाजार से हटाया गया है। इसमें भी 200 सीसी की क्षमता का इंजन दिया जाता था और इसकी एक्स शोरूम कीमत 1.43 लाख रुपये थी। इसकी जगह नई बाइक Xtreme 250R लेगी।

भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली के लिए 2024 का क्या मतलब है?

विजय गर्ग

शासन और स्वायत्तता में सुधार, पहुंच और समानता बढ़ाना और प्रौद्योगिकी और नवाचार को अपनाना। इन क्षेत्रों पर ध्यान देकर, भारत 21वीं सदी की जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार वैश्विक नेताओं की एक नई पीढ़ी तैयार कर सकता है। शिक्षा भारतीयों के मूल परिभाषित मूल्यों में से एक रही है। पृष्ठभूमि, धर्म, जातीयता या अस्तित्व के युग की परवाह किए बिना यह कभी भी एक माध्यमिक विकल्प नहीं रहा है।

भारत, अकादमिक उत्कृष्टता के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, अब एक चौराहे पर खड़ा है, जो अपनी उच्च शिक्षा प्रणाली को एक वैश्विक पावरहाउस में बदलने के लिए तैयार है। हालाँकि, देश में उच्च शिक्षा की स्थिति पर नज़र डालें तो भारत अभी भी इन महत्वाकांक्षी लक्ष्यों से कोसों दूर है। मई 2024 तक, उच्च शिक्षा में भारत का सकल नामांकन अनुपात 28.4% था, जिसमें लगभग 1200 संस्थानों में 4.3 करोड़ से अधिक छात्र नामांकित थे। हालाँकि, यह मौजूदा वैश्विक औसत 36.7% से काफी नीचे है। शिक्षा मंत्रालय के अनुसार, पिछले साल लगभग नौ लाख छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश गए थे। इन छात्रों ने 2023 में विदेश में शिक्षा प्राप्त करने पर $60 बिलियन (5.1 लाख करोड़) खर्च किए हैं। यह आंकड़ा महामारी से एक साल पहले, 2019 में खर्च किए गए $37 बिलियन से लगभग दोगुना हो गया है। यह 2023-24 में केंद्र सरकार द्वारा उच्च शिक्षा के लिए आवंटित वार्षिक बजट (44,090 करोड़ या $5.2 बिलियन) से 10 गुना अधिक है। स्पष्ट रूप से, उच्च शिक्षा चाहने वाले वर्तमान भारतीय छात्र विदेश जाना पसंद करते हैं यदि उनके पास संसाधन हों। फिर भी हम आने वाले दशकों में दुनिया भर के छात्रों के लिए उच्च शिक्षा का पसंदीदा गंतव्य बनने की आकांक्षा रखते हैं। मुख्य फोकस क्षेत्र इस महत्वाकांक्षी लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए, कई प्रमुख क्षेत्र हैं जिन पर देश को ध्यान केंद्रित करने की आवश्यकता है, जिसमें शिक्षण और अनुसंधान के बुनियादी क्षेत्रों में अंतःविषय को बढ़ावा देना, सभी स्तरों पर संकाय की गुणवत्ता को बढ़ाना, वैश्विक भागीदारी को बढ़ावा देना, पाठ्यक्रम के अंतर्राष्ट्रीयकरण को सुनिश्चित करना

शामिल है।, शासन और स्वायत्तता में सुधार, पहुंच और समानता बढ़ाना और प्रौद्योगिकी और नवाचार को अपनाना। इन क्षेत्रों पर ध्यान देकर, भारत 21वीं सदी की जटिल चुनौतियों से निपटने के लिए तैयार वैश्विक नेताओं की एक नई पीढ़ी तैयार कर सकता है। शिक्षा भारतीयों के मूल परिभाषित मूल्यों में से एक रही है। पृष्ठभूमि, धर्म, जातीयता या अस्तित्व के युग की परवाह किए बिना यह कभी भी एक माध्यमिक विकल्प नहीं रहा है। चूँकि शिक्षा हमारी पहचान के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, अब समय आ गया है कि हम अपनी शिक्षा प्रणाली को समावेशिता, नवाचार और वैश्विक क्षमता के 21वीं सदी के लक्ष्यों के साथ संरेखित करें। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 इस दृष्टिकोण को प्राप्त करने के लिए पहला कदम प्रदान करने के लिए एक आशाजनक रूपरेखा प्रदान करती है। वैश्विक नेतृत्व के लिए प्रणाली को सशक्त बनाने के लिए भारतीय उच्च शिक्षा में कई प्रमुख विकासों की आवश्यकता है। शिक्षा को हस्तांतरणीय कौशल पर ध्यान देने की आवश्यकता है। ऐसे युग में जहां जानकारी व्यापक रूप से उपलब्ध है, और गलत सूचनाओं की चौंकाने वाली परतों के साथ मिश्रित है, उच्च शिक्षा को महत्वपूर्ण सोच, समस्या-समाधान और संचार के महत्वपूर्ण कौशल को उजागर करना होगा। विश्वविद्यालयों को शिक्षण और अनुसंधान दोनों का केंद्र बनने की आवश्यकता है; जटिल वैश्विक चुनौतियों से निपटने के लिए सहयोगात्मक अनुसंधान और नवाचार को सभी विषयों में विस्तारित करने की आवश्यकता है; और उद्योग और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारों के साथ शिक्षण और अनुसंधान दोनों में मजबूत साझेदारी उभरने की जरूरत है। संकाय का महत्व यह सब संभव है यदि भारतीय उच्च शिक्षा संस्थान दुनिया भर से शीर्ष स्तर के संकाय को आकर्षित और बनाए रख सकें। वर्तमान में केवल शीर्ष स्तरीय संस्थान ही यह घोषणा कर सकते हैं कि उनकी फैकल्टी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ संकाय के बराबर है। हालाँकि, ये शिक्षाविद हमारे केवल कुछ ही छात्रों के साथ बातचीत करते हैं। दुनिया भर में आसान संकाय गतिशीलता और सहयोग आंशिक रूप से इसका समाधान कर सकता है। विशेष रूप से संयोजन के रूप में, ऑनलाइन डिग्री कार्यक्रम विकसित करने के लिए संस्थानों की एक विस्तृत श्रृंखला को सशक्त बनानाअंतर्राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, इस लक्ष्य को प्राप्त करने में मदद कर सकते हैं। वर्तमान में केवल कुछ विशिष्ट विश्वविद्यालयों को ही औपचारिक ऑनलाइन शिक्षा प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय भागीदारों के साथ संयुक्त डिग्री कार्यक्रम विकसित करने की अनुमति है। जैसे-जैसे 2024 करीब आ रहा है, इसे एनईपी-2020 द्वारा उच्च शिक्षा परिदृश्य को प्रदान किए जाने वाले पथ-प्रदर्शक लचीलेपन के कार्यान्वयन के पहले संकेतों द्वारा चिह्नित वर्ष के रूप में देखा जा सकता है। अकादमिक बैंक ऑफ क्रेडिट छात्रों को रोजगार का स्वाद लेने के लिए शिक्षा को रोकने या उनकी व्यक्तिगत शिक्षा योजना में पाठ्यक्रमों की उपलब्धता के अनुसार संस्थानों के बीच स्थानांतरित करने में सक्षम बनाता है। वर्ष के अंत में, हमें पता चला कि द्विवार्षिक प्रवेश संभव हो जाएगा, जिससे राज्यों के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय छात्रों के लिए गतिशीलता बहुत आसान हो जाएगी। देश में अधिकांश शोधकर्ताओं के लिए शोध के लिए प्राथमिक स्रोतों की पहुंच बहुत महंगी रही है। हाल ही में घोषित वन नेशन, वन सब्सक्रिप्शन नीति एक महत्वपूर्ण कदम है जो शोधकर्ताओं को उच्च गुणवत्ता वाले शोध लेखों तक पहुंचने और नवाचार का समर्थन करने वाले वातावरण को बढ़ावा देने में सक्षम बनाती है। जैसे-जैसे हम आगे देखते हैं, 2024 को परिभाषित करने वाले रुझान और विकसित होने की ओर अग्रसर हैं।

कर्म से परिवर्तन

एक राजा अपनी प्रजा का भरपूर ध्यान रखता था. राज्य में अचानक चोरी की शिकायतें बहुत आने लगीं. कोशिश करने से भी चोर पकड़ा नहीं गया।

हारकर राजा ने ढींढोरा पिटवा दिया कि जो चोरी करते पकडा जाएगा उसे मृत्युदंड दिया जाएगा. सभी स्थानों पर सैनिक तैनात कर दिए गए. घोषणा के बाद तीन-चार दिनों तक चोरी की कोई शिकायत नही आई।

उस राज्य में एक चोर था जिसे चोरी के सिवा कोई काम आता ही नहीं था. उसने सोचा मेरा तो काम ही चोरी करना है. मैं अगर ऐसे डरता रहा तो भूखा मर जाऊँगा. चोरी करते पकडा गया तो भी मरुंगा, भूखे मरने से बेहतर है चोरी की जाए। वह उस रात को एक घर में चोरी करने घुसा. घर के लोग जाग गए. शोर मचाने लगे तो रिक्त हाथ ही चोर भागा. पहरे पर तैनात सैनिकों ने उसका पीछा किया. चोर जान बचाने के लिए नगर के बाहर भागा।

उसने मुड़ के देखा तो पाया कि कई सैनिक उसका पीछा कर रहे हैं. उन सबको चमका देकर भाग पाना संभव नहीं होगा. भागने से तो जान नहीं बचने वाली, युक्ति सोचनी होगी।

चोर नगर से बाहर एक तालाब किनारे पहुंचा. वस्त्र उतारकर तालाब मे फेंक दिया और अंधेरे का फायदा उठाकर एक बरगद के पेड के नीचे पहुंचा।

बरगद पर बगुलों का वास था. बरगद की जड़ों के पास बगुलों की बीट पड़ी थी. चोर ने बीट उठाकर उसका तिलक लगा लिया ओर आंख मूंदकर ऐसे स्वांग करने बैठा जैसे साधना में लीन हो।

खोजते-खोजते थोडी देर मे सैनिक भी वहां पहुँच गये। पर उनको चोर कहीं दिखाई नहीं आ रहा था. खोजते खोजते उजाला हो रहा था ओर उनकी दृष्टि बाबा बने चोर पर पडी।

सैनिकों ने पूछा- बाबा इधर किसी को आते देखा है. पर ढोंगी बाबा तो समाधि लगाए बैठा था. वह जानता था कि बोलूंगा तो पकडा जाउंगा सो मौनी बाबा बन गया और समाधि का स्वांग करता रहा।

सैनिकों को कुछ शंका तो हुई पर क्या करें। कही सही में कोई संत निकला तो ? अंततः उन्होंने छुपकर उस पर नजर रखना जारी रखा. यह बात चोर भांप गया। जान बचाने के लिए वह भी चुपचाप बैठा रहा।

एक दिन, दो दिन, तीन दिन बीत गए बाबा बैठा रहा. नगर में चर्चा शुरू हो गई की कोई सिद्ध संत पता नही कितने समय से बिना खाए-पीए समाधि लगाए बैठे हैं. सैनिकों को तो उनके अचानक दर्शन हुए हैं।

नगर से लोग उस बाबा के दर्शन को पहुंचने लगे। भक्तों की अच्छी खासी भीड़ जमा होने लगी. राजा तक यह बात पहुंच गई। राजा स्वयं दर्शन करने पहुंचे. राजा ने विनती की आप नगर मे पधारें और हमें सेवा का सौभाग्य दें।

चोर ने सोचा बचने का यही अवसर है. वह राजकीय अतिथि बनने को तैयार हो गया. सब लोग जयघोष करते हुए नगर में ले जा कर उसकी सेवा सत्कार करने लगे। लोगों का प्रेम और श्रद्धा भाव देखकर ढोंगी का मन परिवर्तित हुआ. उसे आभास हुआ कि यदि नकली में इतना मान-सम्मान है तो सही में संत होने पर कितना सम्मान होगा. उसका मन पूरी तरह परिवर्तित हो गया और वह चोरी त्यागकर संन्यासी हो गया।

विजय गर्ग

डॉक्टर बनना बहुत कठिन है

विजय गर्ग

इसमें कोई संदेह नहीं है कि चिकित्सा विज्ञान ने इतनी प्रगति की है जितनी खोजें इस क्षेत्र में हुई हैं उतनी शायद ही किसी अन्य क्षेत्र में हुई हों। चाहे जानलेवा बीमारियों से बचाने के लिए नई दवाएं हों या रोबोट तकनीक से सर्जरी, चिकित्सा विज्ञान ने ऊंचाइयों को छुआ है। हर साल लाखों बच्चे नीट युजी प्रवेश परीक्षा देकर डॉक्टर बनने के लिए अपनी किस्मत आजमाते हैं। इसमें कोई संदेह नहीं कि चिकित्सा शिक्षा बेहद महंगी शिक्षा अगर इसे भारत की सबसे महंगी शिक्षा कहा जाए तो कोई गलती नहीं है. डॉक्टर बनने के लिए करोड़ों रुपये खर्च करना मामूली बात हो गई है। पहले एमबीबीएस और उसके बाद पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई में लाखों रुपये खर्च होते हैं। एक बात शीशे की तरह साफ है कि एक गरीब आदमी अपने बच्चों को डॉक्टर नहीं बना सकता, यही हाल मध्यम वर्गीय परिवारों का भी है। भले ही उनके बच्चे बहुत मेधावी हों, लेकिन अब पैसों की तंगी उनके सपने को चकनाचूर कर देती है। सिर्फ मेडिकल की पढ़ाई अमीर लोगों के बच्चों की पढ़ाई रह गयी है. एक डॉक्टर का बच्चा डॉक्टर बनने के बारे में जरूर सोचता है और उसके डॉक्टर माता-पिता भी उसे इस क्षेत्र में जाने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हमारे देश में वरिष्ठ डॉक्टरों का वेतन और भत्ते जूनियर डॉक्टरों की तुलना में बहुत अधिक हैं। स्वाभाविक है कि वरिष्ठ डॉक्टरों के बच्चे आर्थिक रूप से

यह शिक्षा पूरी कर पाते हैं। पहले वरिष्ठ डॉक्टर सरकारी नौकरी के साथ-साथ अपना निजी क्लीनिक या अस्पताल भी चलाते थे, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति काफी स्थिर होती थी। लेकिन पंजाब सरकार ने यह लागू कर दिया है कि कोई भी सरकारी डॉक्टर ड्यूटी के दौरान निजी क्लीनिक या अस्पताल नहीं चला सकता। जिसका परिणाम यह हुआ कि कई डॉक्टरों ने अपनी सरकारी नौकरियों से इस्तीफा दे दिया और अपना निजी क्लीनिक या अस्पताल चलाने को प्राथमिकता दी। पंजाब में सबसे बड़ा सरकारी मेडिकल विश्वविद्यालय बाबा फरीद विश्वविद्यालय, फरीदकोट के साथ-साथ गुरु गोबिंद सिंह मेडिकल कॉलेज है, जहाँ मेडिकल छात्रों को प्रवेश दिया जाता है। इसी तरह, एक कॉलेज छात्र, पैट के साथ बातचीत के दौरानऐसा लगा कि डॉक्टर बनने के लिए कई कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है। विस्तार से समझाने पर पता चला कि कई बच्चे जो मेडिकल की पढ़ाई कर रहे हैं, वे मानसिक रूप से बीमार हो जाते हैं, जिसके परिणामस्वरूप वे नशीली दवाओं का सेवन करके खुद को शांत रखने की कोशिश करते हैं बहुत चिंताजनक. उस छात्र का मानना था कि एम.बी.बी.एस. पंजाब में फीस सबसे ज्यादा है, जबकि पंजाब की स्वास्थ्य व्यवस्था खस्ताहाल है।प्रेरित किया जाना चाहिए. उन्होंने कहा कि प्रोफेसर बच्चों पर दबाव बनाते हैं. अगर कॉलेज में रैगिंग हो रही है तो कॉलेज प्रबंधन इससे अंजान है या जानबूझ कर लापरवाह बना है, इस पर भी विचार किया जाना चाहिए. देखा जाए तो सरकारी अस्पताल जूनियर डॉक्टरों के भरोसे चल रहे हैं। 24 घंटे की कड़ी ड्यूटी के साथ-साथ वे पोस्ट ग्रेजुएशन की पढ़ाई भी कड़ी करते हैं, सरकारें इस बात से अनजान नहीं हैं। एक अच्छा डॉक्टर तभी बन सकता है जब उसे आरामदायक माहौल मिले या उस पर कोई दबाव न होहोगा अगर ऐसा ही चलता रहा तो आने वाले समय में बच्चे और अभिभावक मेडिकल की पढ़ाई से बचते नजर आएंगे। एक छात्र जो करोड़ों रुपये खर्च करके डॉक्टर बना है, वह किसी न किसी तरह अपनी मेहनत से खर्च किए गए पैसे को जोड़ने का काम करेगा। फिर हम जैसे लोग डॉक्टरों को लुटेरा कहकर संबोधित करते हैं। 2018 में फीस चार लाख से घटाकर सीधे नौ लाख कर दी गई, अगर हॉस्टल की लागत लें तो लागत करीब पंद्रह लाख तक पहुंच जाती है. इन सबके पीछे का कारण सीटों की कम उपलब्धता है। एक खोजपता चला है कि पिछले दस सालों की तुलना में 2023 में कोटा में कोचिंग लेने वाले 25 बच्चों ने आत्महत्या की है. जो अन्य वर्षों की तुलना में काफी अधिक है. जिसका सीधा कारण पढ़ाई का दबाव और पढ़ाई के दौरान होने वाला भारी खर्च है। एक अन्य अध्ययन से पता चलता है कि 2021 में 13 हजार छात्रों ने आत्महत्या की। इसका कारण पढ़ाई का दबाव था। अगर सरकार राज्य की कल्याण व्यवस्था में सुधार करना चाहती है, तो डॉक्टरों की भर्ती की जानी चाहिए, वह भी बिना अच्छे वेतन के उसका कितना कर्ज हैवे अधिक लालच के साथ खेल सकते हैं.

लौटना बचपन में

विजय गर्ग

पिछले कुछ वर्षों के दौरान एक धारणा यह बनी है कि बचपन में खुशियां देने वाले माहौल को फिर से रचकर व्यक्ति दिमागी तनाव को कम कर सकता है। 'किडल्टिंग' या 'किडएडल्टिंग' शब्द के रूप में इसे बच्चों की तरह बेवजह कुछ भी करके खुश होने की प्रक्रिया के रूप में देखा जाना गया। लेकिन इस पर सोचा जाना चाहिए कि क्या सचमुच स्मृति में जो अच्छा होता है, उसे कृत्रिम तरीके से फिर से रचकर वैसा ही फिर महसूस किया जाना संभव है? बच्चे के लिए कुछ भी करना इसलिए आनंदमय होता है कि वह न चीजों के प्रति और न स्वयं के प्रति ही उतना सचेत होता है। वह हर गतिविधि को करते वक्त उसमें पूरा शामिल होता है। उसका दिमाग और मन अलग-अलग खंडों में विभाजित नहीं होते। बचपन की ओर लौटने में एक बड़ा अवरोध है। वापस कहीं नहीं लौटा जा सकता, इसीलिए हर वापसी हास्यास्पद हो जाती है।

शुरुआत में जिस 'डिल्टिंग' को तनाव दूर करने की दवा के रूप में देखा गया, अब वह एक मर्ज में तब्दील होता जा रहा है। आधुनिक सभ्यता का यह बड़ा अभिशाप है कि यहां दूसरों के खोजे हुए फार्मूले फैशन बनने के अलावा व्यक्ति की कोई मदद नहीं कर पाते। ऐसे प्रयासों द्वारा स्मृति को जीवित करने का प्रयास उसे निष्क्रिय या मृत कर देना ही हो सकता है। स्मृति को जीने के लिए अपने माता-पिता, पड़ोसियों और बचपन के दोस्तों तक पहुंचना एक राह हो सकती है, लेकिन उस परिवेश को दुबारा निर्मित करने की कोशिश में कुछ हाथ नहीं आता। आज के युवा जिम्मेदारियों से बचने के लिए समय-समय पर प्रचारित किए जाने वाले ऐसे खेल खेलने के आदी हो रहे हैं। कोपेनहेगन विश्वविद्यालय में अपराध विज्ञान के प्रोफेसर और 'इफैंटिलाइज्ड' पुस्तक के लेखक कीथ हेवर्ड का कहना है कि युवा बच्चे ही बने रहना चाहते हैं... उनकी हरकतें और मानसिकता किशोरों जैसी हैं। आखिर वे ऐसा दिखाते - दिखाते उन्हीं चीजों में फंस जाते हैं।

हम जो भी करते हैं सब हमारे व्यक्तित्व का

अंग बनता है, भले ही कितना छोटा क्यों न हो। किसी के कार्यों से ही उसकी मानसिकता का पता चलता आजकल युवा चलन के तौर पर बहुत जल्द नई चीजों को अपना लेते हैं। वे हर चीज के लिए अलग नाम रख लेते हैं। वे अमूमन इसे शौक या ऐसी आदत कहना पसंद करते हैं जिसमें सहजता महसूस होती है। मगर सहजता की तलाश ऐसी चीजों की ओर क्यों लेकर जाती है, यह एक बड़ा सवाल है? असहजता के कारण को जाने बिना मनोवैज्ञानिकों द्वारा सुझाए गए अस्थायी समाधानों को अपनाते वक्त एक नए फैशन का हिस्सा बनने के अलावा इससे क्या परिणाम होंगे, इसके बारे में नहीं सोचना भी शायद सहजता का फार्मूला है। तनाव दूर करने की प्रक्रिया में समाधान के ही नए तनाव बन जाने की आशंका सदैव रहती है। फिल्में और सोशल मीडिया ने ऐसे चलन को बढ़ावा दिया है। साठ वर्ष के नायक बीस वर्ष के लड़के की तरह उछल-कूद करते और बेपरवाह दिखाए जाते हैं।

यह सही है कि आज के व्यस्त, तनावपूर्ण और प्रतिस्पर्धा भरे जीवन में 'किडल्टिंग' कुछ क्षणों की राहत और खुशियों के लिए जगह बनाने का काम करती है। यहां तक कि धीमे उपचार जैसा असर भी देखा जा सकता है। इसीलिए इसे शुरू में मानसिक स्वास्थ्य के लिए कारगर उपाय माना गया, लेकिन आखिर यह एक तरह से शिशुकरण की प्रवृत्ति है, जहां अजीब तरीके से कुछ भी करने को मस्ती का प्रतीक मान लिया गया है। उम्र और शरीर से युवा हो चुके जो लोग खुद को बच्चा मानते हैं, उन्हें रोजमर्रा के जीवन में लगातार निर्देश और संरक्षण की जरूरत होती है। ऐसे व्यवहार को 'विलंबित वयस्कता' के तौर पर माना जाता है।

सवाल है कि यह सब कब तक चल सकता है। एक निश्चित वक्त में इसे अभिनय की तरह भले किया जाना संभव हो, इसके साथ आगे नहीं बढ़ा जा सकता। दुनिया वही है और सारी आकांक्षाएं उसी से जुड़ी हैं। इसलिए तनाव का स्रोत भी वही है। उसका सामना तो परिपक्वता से ही करना होगा। तनाव के स्रोत आखिर कहां हैं, उन्हें जाने बिना अपनी चेतना से दूर होने के उपाय करना आखिर कैसी समझदारी भरी तरकीब है?

कुछ अध्ययनों में देखा गया है कि आज के युवा जिम्मेदारियों से बचना चाहते हैं, वे स्वयं को बच्चा समझते हैं। यह ठीक है कि हर कार्य को आनंद के साथ करना हम बच्चों से सीख सकते हैं। बच्चों से सीखने के लिए और भी बहुत कुछ है, लेकिन इसके लिए बच्चों की प्रवृत्तियां अपनाना जरूरी नहीं है। एक उम्र में जो सच्चा और सहज लगता है, वही समय के साथ न बदलने पर जड़ लगने लगता है। बचपन में जो चीजें खुशियां देती थीं, वे वैसी ही समय बीतने पर नहीं रह जाती हैं। बस वे यादों में ही वैसी रहती हैं। आज के मनुष्य की मानसिकता सप्ताहांत तक सीमित होकर रह गई है। इसलिए वह अपने दिमाग को बिल्कुल साफ रखना चाहता है। स्मृति भी उसके लिए तनाव है। वह ऐसी स्थिति में रहना चाहता है जहां मन को कुछ भी सोचने की जरूरत न पड़े, लेकिन यह संभव नहीं रह गया है। वापस लौटने के प्रयास हमें हमारी अच्छी स्मृतियों से भी महरूम करते हैं, उनसे हासिल कुछ भी नहीं होता। 'किडल्टिंग' को कोरोना महामारी के दौरान प्रसारित किया गया, जब खाली समय में पुरानी यादों के नाम पर इसे विज्ञापित करना आसान भी रहा। इसे व्यावसायियों ने अपने-अपने तरीके से भुनाया। यह सही है कि जड़ों से जुड़े रहते हुए ही कोई व्यक्ति आगे बढ़ने का एक बेहतर तरीका खोज सकता है, लेकिन तनाव दूर करने के लिए नए तनाव वाला समाधान ढूंढ़ना शून्य या विपरीत नतीजे भी दे सकता है।

होमस्कूलिंग: किफायती और समग्र शिक्षा विकल्प

विजय गर्ग

होमस्कूलिंग अपनी छवि को एक अपरंपरागत विकल्प से व्यापक रूप से स्वीकृत शैक्षिक मार्ग में बदल रही है क्योंकि कई माता-पिता इस किफायती विकल्प को चुनते हैं जीवन यापन की बढ़ती लागत के साथ, बढ़ती संख्या में माता-पिता शिक्षा के पारंपरिक दृष्टिकोण का पुनर्मूल्यांकन कर रहे हैं। देश भर में परिवारों की बढ़ती संख्या पारंपरिक शिक्षा प्रणालियों की तुलना में होमस्कूलिंग को एक वैध और सशक्त विकल्प के रूप में देख रही है। चुनाव न केवल वित्तीय विचारों से प्रभावित होता है, बल्कि बच्चे को उनकी विशिष्ट आवश्यकताओं और परिवार के मूल्यों के अनुरूप पालन-पोषण करने की प्रतिबद्धता से भी प्रभावित होता है। कई वर्षों से, पारंपरिक शैक्षणिक संस्थान बचपन की शिक्षा की आधारशिला रहे हैं। हालाँकि, आजकल, अभिभावकों की बढ़ती संख्या यह सवाल कर रही है कि क्या निजी शिक्षा से जुड़े महत्वपूर्ण खर्च, या यहाँ तक कि सार्वजनिक स्कूली शिक्षा की लागत भी वास्तव में निवेश को उचित ठहराती है। होमस्कूलिंग आंदोलन एक सम्मोहक तर्क प्रस्तुत करता है: शिक्षा पारंपरिक कक्षाओं की सीमा से परे हो सकती है। इस परिवर्तन को चलाने वाला मुख्य कारक इसमें शामिल व्यय है। शिक्षा, विशेष रूप से निजी स्कूलों में, अक्सर लागतों की एक चुनौतीपूर्ण सूची प्रस्तुत करती है: ट्यूशन, वर्दी, परिवहन, अतिरिक्त पाठ्यचर्या और आपूर्ति। होमस्कूलिंग इन वित्तीय बोझों को काफी हद तक कम कर देती है। माता-पिता के पास अब आवश्यक संसाधनों जैसे कि शीर्ष शैक्षणिक सामग्री, ऑनलाइन पाठ्यक्रम, या अनुकूलित कोचिंग में निवेश करने का अवसर है - ये सभी उनके बच्चे की विशिष्ट आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं। इसके अलावा, होमस्कूलिंग परिवारों को उनकी रचनात्मकता और संसाधनशीलता का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित करती है। पुस्तकालय, मुफ़्त ऑनलाइन संसाधन और सामुदायिक कार्यक्रम न्यूनतम या बिना किसी खर्च के सीखने के प्रचुर अवसर प्रदान करते हैं। असंख्य डिजिटल संसाधनों से भरे समय में, माता-पिता के पास एक ऐसा पाठ्यक्रम तैयार करने की क्षमता है जो लागत प्रभावी और संपूर्ण हो। खर्चों को कम करने के अलावा, होमस्कूलिंग की बढ़ती लोकप्रियता में योगदान देने वाले कई अन्य कारक हैं। माता-पिता का मानना है कि होमस्कूलिंग बच्चे के व्यक्तिगत और शैक्षणिक विकास को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ा सकती है। पारंपरिक शैक्षणिक संस्थानों के विपरीत, होमस्कूलिंग उल्लेखनीय लचीलापन प्रदान करता है, जिससे पाठों को बच्चे की रुचियों, सीखने की गति और जुड़ाव के पसंदीदा तरीकों के साथ संरेखित किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, विज्ञान के प्रति जुनूनी छात्र प्रयोगों और व्यावहारिक गतिविधियों के लिए अतिरिक्त समय समर्पित कर सकते हैं, जबकि कला के प्रति रुचि रखने वाले लोग कठोर कार्यक्रम की सीमाओं से मुक्त होकर अपनी रचनात्मकता को उजागर कर सकते हैं। एक अन्य प्रमुख कारक व्यापक विकास का महत्व है। होमस्कूलिंग पारंपरिक पाठ्यपुस्तकों से परे है और वास्तविक, वास्तविक दुनिया के सीखने के अनुभव प्रदान करती है। खाना पकाना गणित और रसायन विज्ञान के मिश्रण में बदल जाता है; बागवानी जीव विज्ञान और स्थिरता के सिद्धांतों का प्रतीक है; संग्रहालय या पार्क की यात्रा से इतिहास और पारिस्थितिकी की शिक्षा मिलती है। व्यावहारिक ज्ञान के साथ-साथ ये गतिविधियाँ पारिवारिक संबंधों को बढ़ावा देती हैं—कुछ ऐसा जो आज की दुनिया में दुर्लभ लगता है। निश्चित रूप से, होमस्कूलिंग अपनी कमियों के साथ आती है। समाजीकरण और इसके कारण माता-पिता पर पड़ने वाले तनाव के संबंध में आलोचकों द्वारा चिंता व्यक्त की गई है। फिर भी, जो परिवार होमस्कूल चुनते हैं, उन्होंने इन मुद्दों के समाधान के लिए नए तरीके खोजे हैं, जिनमें सहकारी समूह बनाना, सामुदायिक खेलों में शामिल होना और समूह क्षेत्र यात्राओं का समन्वय करना शामिल है। यह की ओर एक आंदोलन का प्रतीक हैशिक्षा में लागत-प्रभावशीलता, अनुकूलन क्षमता और व्यक्तिगत अभिव्यक्ति की सराहना करना - परिवारों द्वारा वित्तीय परिस्थितियों में समायोजित होने के साथ-साथ इस प्रवृत्ति का विस्तार होने की उम्मीद है। अंततः, होमस्कूलिंग केवल एक शैक्षिक विकल्प बनकर रह गई है; यह सशक्तिकरण की घोषणा का प्रतीक है। शिक्षा को अपने मूल्यों के अनुरूप ढालने का लक्ष्य रखने वाले माता-पिता के लिए, यह यात्रा न केवल जानकारी प्रदान करती है, बल्कि उनके और उनके बच्चों दोनों के लिए एक बेहद फायदेमंद अनुभव प्रदान करती है।

अडानी विल्मर में पूरी हिस्सेदारी क्यों बेच रहा अदाणी ग्रुप, कौन हैं खरीदार; जानें पूरी डिटेल

परिवहन विशेष न्यूज

अदाणी ग्रुप अपने FMCG ज्वाइंट वेंचर अदाणी विल्मर से पूरी तरह से बाहर निकल रहा है। ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पास अदाणी विल्मर लिमिटेड में कुल 43 .94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। इसमें से बड़ा हिस्सा वह अपने मौजूदा साझीदार विल्मर इंटरनेशनल को बेचेगी। बाकी हिस्सेदारी खुले बाजार में बेची जाएगी। आइए जानते हैं इस सौदे की पूरी डिटेल।

नई दिल्ली। अरबपति गौतम अदाणी का ग्रुप FMCG ज्वाइंट वेंचर अदाणी विल्मर से पूरी तरह बाहर निकल रहा है। अदाणी एंटरप्राइजेज ने एक बयान में कहा कि अदाणी विल्मर की 31.06 प्रतिशत हिस्सेदारी विल्मर इंटरनेशनल को बेची जाएगी। वहीं बाकी 13 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार के जरिए बेची जाएगी, ताकि मिनिमम पब्लिक शेयरहोल्डिंग के नियमों का पालन किया जा सके। अदाणी एंटरप्राइजेज लिमिटेड के पास अदाणी विल्मर लिमिटेड में कुल 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है।

अदाणी ग्रुप ने यह नहीं बताया कि यह सौदा कितने में हुआ है। हालांकि, अनुमान जताया जा रहा है कि इस बिक्री से अदाणी ग्रुप को करीब दो अरब डॉलर मिलेंगे। हिस्सेदारी बिकने के बाद अदाणी ग्रुप की ओर से नामित निदेशक अदाणी विल्मर के बोर्ड से हट जाएंगे। बिक्री प्रक्रिया मार्च 2025 से पहले पूरी होने की उम्मीद है। इस हिस्सेदारी बिक्री को लेकर सिंगापुर की विल्मर इंटरनेशनल और अदाणी समूह के बीच समझौता हो गया है। अदाणी समूह के बाद निकलने के बाद कंपनी का नाम भी बदला जाएगा।

अदाणी विल्मर का बिजनेस क्या है?

अदाणी विल्मर की स्थापना 1999 में हुई थी। यह फॉर्च्यून ब्रांड के खाना पकाने के तेल, गेहूं का आटा और अन्य खाद्य उत्पाद बेचती है। अदाणी विल्मर फॉर्च्यून ब्रांड के कुकिंग ऑयल, गेहूं का आटा, दालें, चावल और चीनी बनाती है। इसके 10 राज्यों में 23 प्लांट हैं। अदाणी ग्रुप हिस्सेदारी को बेचने से मिलने वाली रकम का इस्तेमाल अपने कोर बिजनेस को बढ़ाने के लिए करेगा।

नवबंर 2024 में अदाणी ग्रुप के फाउंडर गौतम अदाणी और उनके सहयोगियों पर रिश्वत देने के आरोप लगे थे। उसके बाद से यह अदाणी ग्रुप का पहला बड़ा सौदा है। इस सौदे से अदाणी ग्रुप को लिक्विडिटी की समस्या को दूर करने में भी मदद मिलेगी। क्योंकि आशंका जताई जा रही थी कि अमेरिका में मुकदमेबाजी में फंसने के बाद बैंक अदाणी ग्रुप को कर्ज देने से पीछे हट सकते हैं, जिससे उसके पास निवेश के लिए पैसों की कमी हो सकती है।

विल्मर को पूरा स्टेक क्यों नहीं बेच रहा अदाणी ग्रुप

अदाणी ग्रुप और विल्मर इंटनेशनल के पास कुल मिलाकर ज्वाइंट वेंचर में 87.87 फीसदी हिस्सेदारी है। मार्केट रेगुलेटर सेबी का नियम है कि सभी बड़ी कंपनियों को लिस्टिंग के तीन साल के भीतर कम से कम 25 फीसदी शेयर जनता के लिए उपलब्ध कराने होंगे। इसका मतलब है कि बड़ी कंपनियों के प्रमोटर 75 फीसदी से अधिक शेयरहोल्डिंग नहीं रख सकते हैं। अडानी विल्मर फरवरी 2022 में स्टॉक एक्सचेंजों में लिस्ट हुई थी। इसकी शेयरहोल्डिंग को फरवरी 2025 तक वैसे भी कम करना था।

यही वजह है कि अदाणी ग्रुप 31.06 फीसदी हिस्सेदारी विल्मर इंटरनेशनल को बेच रहा है। वह बाकी 13 प्रतिशत हिस्सेदारी खुले बाजार में बेचेगा, जिससे जनता के पास अदाणी विल्मर के 25 फीसदी शेयर आ जाएंगे।

सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स की धमाकेदार लिस्टिंग, कैरारो इंडिया ने किया निराश

सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड ने आईपीओ निवेशकों को 53 फीसदी का लिस्टिंग गेन दिया है। इसके आईपीओ में 500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए थे। वहीं कैरारो इंडिया लिमिटेड के शेयर सोमवार को 704 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 7 .52 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए। बाद में ये 10 फीसदी गिरकर 633 .30 रुपये पर आ गया। कंपनी का मार्केट कैप 3679 .15 करोड़ रुपये है।

नई दिल्ली। सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के आईपीओ ने निवेशकों को शानदार लिस्टिंग गेन दिया है। इसका इश्यू 391 रुपये के प्राइस पर आया था और लिस्टिंग 53 प्रतिशत से अधिक प्रीमियम के साथ हुई। इसमें लिस्टिंग के बाद भी तेजी जारी रही है औयह 55.75 प्रतिशत उछलकर 609 रुपये पर पहुंच गया। कंपनी का मार्केट कैप 2,657.29 करोड़ रुपये रहा।

सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड के आईपीओ में 500 करोड़ रुपये के नए शेयर जारी किए गए थे। वहीं प्रमोटर और अन्य शेयरहोल्डर्स ने 82.11 करोड़ रुपये मूल्य के शेयरों को ऑफर फॉर सेल विंडो के जरिए बेचा। अहमदाबाद स्थित कंपनी फ्रेश इक्विटी से जारी रकम का इस्तेमाल अटलांटा फैसिलिटी में स्टेराइल इंजेक्शन का प्रोडक्शन करने के लिए फैक्टरी लगाने के लिए करेगी। साथ ही, इससे सेनोरस फार्मा और उसकी सहायक कंपनियों की वर्किंग कैपिटल की जरूरत पूरी की जाएगी।

सेनोरेस फार्मास्युटिकल्स के जटिल फार्मास्युटिकल प्रोडक्ट की व्यापक रेंज है। कंपनी के पास प्रमुख चिकित्सीय खंडों में कई उत्पाद हैं। इनमें एंटीबायोटिक्स, एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-फंगल और ब्लड लाइन शामिल हैं। मार्च 2024 तक, कंपनी के पास भारत और अमेरिका में तीन आरएंडडी सुविधाएं थीं।

कैरारो इंडिया की 7.52 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्टिंग

कैरारो इंडिया लिमिटेड के शेयर सोमवार को 704 रुपये के इश्यू प्राइस के मुकाबले 7.52 फीसदी डिस्काउंट के साथ लिस्ट हुए। बाद में ये 10 फीसदी गिरकर 633.30 रुपये (carraro india share price) पर आ गया। कंपनी का मार्केट कैप 3,679.15 करोड़ रुपये है। रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस के अनुसार, कैरारो इंडिया का आईपीओ पूरी तरह से कैरारो इंटरनेशनल एसई द्वारा 1,250 करोड़ रुपये के शेयरों की बिक्री के लिए पेशकश (ओएफएस) था। इसमें कोई फ्रेश इक्विटी नहीं थी। कैरारो इंडिया कैरारो एस.पी.ए. की एक सहायक कंपनी है, जिसकी नींव 1997 में पड़ी थी। इसने 1999 में ट्रांसमिशन सिस्टम और 2000 में एक्सल के साथ अपने मैन्युफैक्चरिंग सफर को आगे बढ़ाया। कंपनी ने कैरारो समूह के भीतर अन्य संस्थाओं से लाइसेंस प्राप्त आईपी अधिकारों का उपयोग करके अपना संचालन शुरू किया। ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर्स (ओईएम) ग्राहकों के लिए जटिल इंजीनियरिंग उत्पादों और समाधानों में कुशलता हासिल की। यह एक स्वतंत्र टियर-1 प्रोवाइडर के रूप में काम करती है, जो कृषि ट्रैक्टरों और निर्माण वाहनों के लिए एक्सल और ट्रांसमिशन सिस्टम बनाती है।

शेयर बाजार 85 हजारी बना, रिलायंस-डिज्नी डील... 2024 में और क्या हुआ खास?

परिवहन विशेष न्यूज

बिजनेस की दुनिया में साल 2024 के दौरान कई ऐसी चीजें हुईं जिन्होंने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा। इस साल सेंसेक्स पहली बार 85 हजार के पार पहुंचा रिलायंस-डिज्नी के बीच मर्जर डील हुई बिटकॉइन ने 120 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया। एनवीडिया और माइक्रोसॉफ्ट का मार्केट कैप 3 लाख करोड़ के पार पहुंचा। वहीं एपल 4 ट्रिलियन डॉलर की कंपनी बनने की ओर आगे बढ़ी।

नई दिल्ली। साल 2024 खत्म होने की दहलीज पर पहुंच गया है। इस साल कई कारोबार जगत में कई बड़े घटनाक्रम हुए, जिन्होंने सभी का ध्यान अपनी ओर खींचा। इनमें शेयर बाजार में रिकॉर्ड तेजी, बिटकॉइन का तूफानी रिटर्न और रिलायंस-डिज्नी की बहुचर्चित डील शामिल है। आइए इनके बारे में विस्तार से जानते हैं।

पहली बार 85 हजारी बना सेंसेक्स

अगर 2024 के आखिरी कुछ महीनों को छोड़ दें, तो शेयर बाजार ने निवेशकों को काफी शानदार रिटर्न दिया है। बीएसई सेंसेक्स पहली बार 85 हजार के पार जाने में भी सफल रहा। हालिया गिरावट के बाद भी सेंसेक्स ने इस साल 8 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया है। वहीं, निफ्टी भी पहली बार 26 हजार के पार पहुंचा। उसने भी 2024 में करीब 9 फीसदी का रिटर्न दिया है।

बिटकॉइन में तूफानी तेजी

इस साल बिटकॉइन ने भी इतिहास रच दिया। वह पहली बार 1 लाख डॉलर के पार भी पहुंचा। बिटकॉइन में तेजी अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव में डोनाल्ड ट्रंप की जीत के बाद आई। चुनावी नतीजों के दिन बिटकॉइन 70 हजार डॉलर से नीचे था। वहां से ये 1 लाख 6 हजार डॉलर के रिकॉर्ड स्तर तक पहुंचा। हालांकि, इसमें मुनाफावसूली के चलते कुछ गिरावट भी आई। फिलहाल यह 93,682.83 के स्तर पर है। इस गिरावट के बावजूद बिटकॉइन ने साल 2024 में 122 फीसदी से अधिक का रिटर्न दिया।

गोल्ड का प्रदर्शन भी रहा दमदार

साल 2024 में गोल्ड ने भी करीब 27 फीसदी का शानदार रिटर्न दिया। यह साल 2010 के बाद सोने का सबसे अच्छा प्रदर्शन रहा। सोने में इस तेजी के कई कारण रहे। इनमें फेडरल रिजर्व की ओर से ब्याज दरों में कटौती और भू-राजनीतिक जोखिम शामिल हैं। साथ ही, महंगाई और दूसरे वित्तीय संकट से बचने के लिए आरबीआई समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंकों ने सोने की खरीद की। इससे भी गोल्ड की कीमतों में भारी उछाल आया। एक्सपर्ट के मुताबिक, इस साल गोल्ड की कुल मांग 100 बिलियन डॉलर को पार कर गई।

रिलायंस-डिज्नी के बीच मर्जर डील

अरबपति कारोबारी मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज और अमेरिकी कंपनी डिज्नी के बीच अपने-अपने ओटीटी प्लेटफॉर्म को एक साथ मर्ज करने की डील हुई। इस डील के मुताबिक, रिलायंस का जियो सिनेमा और डिज्नी का हॉटस्टार मर्ज होकर एक प्लेटफॉर्म बन जाएंगे। अब डिज्नी-रिलायंस एंटरटेनमेंट के पास अब 2 ओवर द टॉप यानी, OTT और 120 चैनल के साथ 75 करोड़ दर्शक हो गए हैं। वहीं, अप्रैल में रिलायंस इंडस्ट्री का टर्नओवर 10 लाख करोड़ के पार पहुंच गया। यह इस मुकाम तक पहुंचने वाली देश की पहली कंपनी बनी।

एपल-एनवीडिया का मार्केट कैप

अमेरिकी टेक्नोलॉजी दिग्गज एपल का मार्केट कैप 4 ट्रिलियन डॉलर के करीब पहुंचा। आईफोन बनाने वाली कंपनी की वैल्यू भारत की जीडीपी के लगभग बराबर हो गई है। वहीं, साल 2024 में चिपमेकर एनवीडिया और माइक्रोसॉफ्ट के मार्केट कैप में भी बड़ा उछाल आया। दोनों ही 3-3 ट्रिलियन डॉलर मार्केट कैप वाली कंपनी बन गईं। एनवीडिया (NVIDIA Corp) के शेयरों में पिछले 5 साल के दौरान 2000 फीसदी से अधिक उछाल आया है।

स्मार्ट सिटीज के सामने वित्तीय संकट का खतरा, मैंटेनेंस के लिए नहीं मिल रहा फंड; अब आगे क्या?

परिवहन विशेष न्यूज

देश के 100 स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर्स (ICCCs) वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें राज्य और नगर पालिकाएं सेंटर से जरूरी फंड नहीं मिल पार रहा है। यह शहर के इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट नागरिक सेवाओं की निगरानी यातायात प्रबंधन सेफ्टी और मॉनिटरिंग जैसे काम देखती है। आईआईटी-खड़गपुर की अपनी एक स्टडी में इस समस्या के बारे में बात करते हुए कुछ सुझाव भी दिए हैं।

नई दिल्ली। भारत के स्मार्ट सिटी मिशन के सामने बड़ी चुनौती आ रही है। देश के 100 स्मार्ट सिटी के इंटीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर्स (ICCCs) वित्तीय संकट से जूझ रहे हैं। उन्हें राज्य और नगर पालिकाएं सेंटर से जरूरी फंड नहीं मिल पार रहा है।

ICCC स्मार्ट सिटी की अलग-अलग सर्विस और सिस्टम के लिए इंटीग्रेटेड कमांड और कंट्रोल सेंटर है। इसका मतलब है कि यह शहर के इन्फ्रास्ट्रक्चर मैनेजमेंट, नागरिक सेवाओं की निगरानी, यातायात और परिवहन प्रबंधन, सेफ्टी और मॉनिटरिंग जैसे काम देखती है। आईआईटी-खड़गपुर की एक स्टडी ने इस समस्या के बारे में बात की है। उसने कुछ सुझाव भी दिए हैं।

ICCC के सामने समस्या क्या है?

आईआईटी-खड़गपुर की स्टडी का निष्कर्ष है कि ICCC पर स्मार्ट सिटी मिशन को सफल बनाने की बड़ी जिम्मेदारी है। लेकिन, उसके पास वित्तीय स्थिरता नहीं है। उसे जरूरी फंड के लिए राज्यों और नगर पालिकाओं पर निर्भर रहना पड़ता है।

इस स्टडी में रेवेन्यू शेयर करने के लिए एक इकोसिस्टम बनाने की सिफारिश की गई है, जो ICCC के ट्रैफिक मैनजमेंट से कामों से जेनरेट होता है। फिलहाल, यह सारा रेवेन्यू राज्य सरकार के खजाने में जाता है। ICCC को इन्फ्रास्ट्रक्चर बनाने, मेंटेनेंस, ऑपरेशन और समय-समय पर अपग्रेड करना होता है, जिसके लिए उसके पास फंड की कमी रहती है।

आईआईटी खड़गपुर की स्टडी में ऑप्टिकल फाइबर केबल जैसे ICCC बुनियादी ढांचे का मोनेटाइजेशन होना चाहिए। उसने ICCC के लिए एक मोबाइल एप्लिकेशन को अनिवार्य बनाने की सिफारिश की है। उसका कहना है कि इन सुविधाओं के सामने आने वाले नकदी संकट को दूर करने के लिए ऐप को मोनेटाइज भी किया जाना चाहिए।

आईआईटी खड़गपुर की रिपोर्ट क्या रास्ता सुझाती है?

रिपोर्ट के मुताबिक, वेब-आधारित सेवाओं के अलावा सभी ICCC के लिए मोबाइल एप्लिकेशन और कॉल सेंटर अनिवार्य किए जाने चाहिए। यह नागरिकों के लिए शहरी स्थानीय निकायों (ULB) और ICCC के जरिए स्मार्ट सिटी मिशन के साथ विभिन्न शहरी सेवाओं का लाभ उठाने या उससे संबंधित शिकायत दर्ज करने के लिए सीधा संपर्क प्वाइंट बन जाता है।

ICCC के मैनेजमेंट में प्राइवेट कंपनियों पर अधिक निर्भरता भी रहती है। इसे देखते स्टडी ने सिफारिश की है कि कर्मचारियों की इंटरनल कैपेसिटी बिल्डिंग और ओरिजनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर (OEM) पर निर्भरता घटाने पर फोकस करने की जरूरत है।

आईआईटी खड़गपुर की स्टडी भुवनेश्वर, विशाखापत्तनम और अगरतला में आपदा प्रबंधन में ICCC की भूमिका की काफी तारीफ करती है। खासकर, कोविड-19 महामारी के दौरान बीमारी की रोकथाम और प्रबंधन में इन केंद्रों और स्मार्ट सिटी बुनियादी ढांचे की भूमिका का जिक्र किया गया है।

जनवरी में 15 दिन बंद रहेंगे बैंक; कब-कब रहेगी छुट्टी, चेक करें RBI की पूरी लिस्ट

परिवहन विशेष न्यूज

बैंक हॉलिडे की लिस्ट की बैंकिंग रेगुलेटर आरबीआई जारी करता है। इसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय दोनों तरह के अवकाश शामिल होते हैं। राष्ट्रीय अवकाश के मौके पर देशभर बैंक बंद रहते हैं। वहीं क्षेत्रीय अवकाश में सिर्फ संबंधित राज्य या क्षेत्र की बैंकों में छुट्टी होती है। जनवरी 2025 की बात करें तो आरबीआई की हॉलिडे लिस्ट के मुताबिक कुल 15 दिन बैंक बंद रहेंगे।

नई दिल्ली। नए साल के पहले महीने यानी जनवरी 2025 में बैंक कुल 15 दिन बंद रहेंगे। ऐसे में अगर बैंक जाकर कोई जरूरी काम निपटाना है, तो अच्छा होगा कि पहले बैंक हॉलिडे लिस्ट चेक कर लें, ताकि आपको बाद में कोई परेशानी न हो। जनवरी 2025 में साप्ताहिक अवकाश की छुट्टियों को मिलाकर कुल 15 दिन कामकाज नहीं होगा। बैंकों में महीने के हर रविवार छुट्टी रहती है। साथ ही, दूसरे और चौथे शनिवार को अवकाश रहता है। बैंक त्योहार और कुछ खास मौकों पर भी बंद रहते हैं। आइए देखते जनवरी 2025 के बैंक हॉलिडे की पूरी लिस्ट।

कौन जारी करता है बैंक हॉलिडे की लिस्ट

बैंक हॉलिडे की लिस्ट की बैंकिंग रेगुलेटर आरबीआई जारी करता है। इसमें राष्ट्रीय और क्षेत्रीय, दोनों तरह के अवकाश शामिल होते हैं। राष्ट्रीय अवकाश के मौके पर देशभर बैंक बंद रहते हैं। वहीं, क्षेत्रीय अवकाश में सिर्फ संबंधित राज्य या क्षेत्र की बैंकों में छुट्टी होती है। अगर जनवरी 2025 की बात करें, तो आरबीआई की हॉलिडे लिस्ट के मुताबिक, कुल 15 दिन बैंक बंद रहेंगे। हालांकि, देशभर के सभी बैंक 15 दिन के लिए बंद नहीं रहेंगे। इनमें से कुछ क्षेत्रीय अवकाश हैं, जिन पर संबंधित राज्यों में ही बैंकों में छुट्टी रहेगी।

जनवरी, 2025 बैंक हॉलिडे लिस्ट

1 जनवरी 2025 (बुधवार) : नए साल के मौके पर देशभर के बैंकों में छुट्टी रहेगी।

6 जनवरी 2025 (सोमवार) : गुरु गोबिंद सिंह जयंती के उपलक्ष्य में पंजाब समेत कुछ राज्यों में बैंक में अवकाश रहेगा।

11 जनवरी 2025 (शनिवार) : महीने का दूसरा शनिवार। इस दिन देशभर के बैंक बंद रहेंगे।

12 जनवरी 2025 (रविवार) : रविवार साप्ताहिक अवकाश।

13 जनवरी 2025 (सोमवार) : लोहड़ी त्योहार। पंजाब और कुछ अन्य राज्यों में बैंकों में छुट्टी रहेगी।

14 जनवरी 2025 (मंगलवार) : संक्रांति और पोंगल के कारण तमिलनाडु व आंध्र प्रदेश में बैंकिंग अवकाश रहेगा।

15 जनवरी 2025 (बुधवार) : तिरुवल्लुवर दिवस पर तमिलनाडु, टुसू पूजा के कारण पश्चिम बंगाल और असम में बैंक बंद रहेंगे।

23 जनवरी 2025 (गुरुवार) : नेताजी सुभाष चंद्र बोस जयंती के उपलक्ष्य में कई राज्यों में बैंकों में छुट्टी रहेगी।

25 जनवरी 2025 (शनिवार) : महीने का चौथा शनिवार। इस दिन पूरे देश में बैंक बंद रहेंगे।

26 जनवरी 2025 (रविवार) : रविवार का साप्ताहिक अवकाश। इस दिन गणतंत्र दिवस भी रहेगा। देशभर में बैंकों की छुट्टी रहेगी।

30 जनवरी 2025 (गुरुवार) : सोनम लोसार के कारण सिक्किम में बैंक बंद रहेंगे।

भारतीय महिलाओं के पास दुनिया का 11 फीसदी सोना, इतना कई देशों का गोल्ड रिजर्व भी नहीं

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक भारतीय महिलाओं के पास कुल मिलाकर लगभग 24000 टन सोना है। यह आभूषण के रूप में दुनिया के कुल सोने के भंडार का लगभग 11 फीसदी है। भारतीय महिलाओं के पास कुल सोना शीर्ष पांच देशों के संयुक्त स्वर्ण भंडार से अधिक है। दक्षिण भारत के कुल सोने का 40 फीसदी हिस्सा है। इसमें अकेले तमिलनाडु का हिस्सेदारी 28 फीसदी है।

नई दिल्ली। भारत में सोना पुराने जमाने से परंपरा और सांस्कृतिक महत्व का प्रतीक रहा है। खासकर, खासकर महिलाओं के बीच, जिनका सोने के गहनों से काफी लगाव है। शादी जैसे समारोह में भी सोने की खास अहमियत रहती है। फिर चाहे बात दुल्हन के आभूषण की हो, या फिर मेहमानों के सजने-संवरने की। यही वजह है कि भारतीय महिलाओं के पास सोने का भारी भंडार हो गया है।

भारतीय महिलाओं के पास दुनिया का 11 फीसदी गोल्ड

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के मुताबिक, भारतीय महिलाओं के पास कुल मिलाकर लगभग 24,000 टन सोना है। यह आभूषण के रूप में दुनिया के कुल सोने के भंडार का लगभग 11 फीसदी है। सही मायने में देखें, तो भारतीय महिलाओं के पास कुल सोना शीर्ष पांच देशों के संयुक्त स्वर्ण भंडार से भी अधिक है।

अगर तुलना की बात करें, तो अमेरिका के पास 8,000 टन सोना, जर्मनी के पास 3,300 टन, इटली के पास 2,450 टन, फ्रांस के पास 2,400 टन और रूस के पास 1,900 टन सोना है। इसका मतलब है कि इन देशों के स्वर्ण भंडार को मिलाने पर यह भारतीय महिलाओं के पास मौजूद सोने से कम ही होगा।

दक्षिण भारतीय महिलाओं के पास अधिक सोना

ऑक्सफोर्ड गोल्ड ग्रुप की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारतीय परिवारों के पास दुनिया के सोने का कुल 11 फीसदी हिस्सा है। यह अमेरिका, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF), स्विट्जरलैंड और जर्मनी के संयुक्त भंडार से भी अधिक है। सोने के मालिकाना हक के मामले में दक्षिण भारत की महिलाएं काफी आगे हैं। दक्षिणी क्षेत्र में भारत के कुल सोने का 40 फीसदी हिस्सा है। इसमें अकेले तमिलनाडु का हिस्सेदारी 28 फीसदी है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की 2020-21 की स्टडी से भी संकेत मिला था कि भारतीय परिवारों के पास 21,000 से 23,000 टन सोना है। 2023 तक यह आंकड़ा बढ़कर लगभग 24,000 से 25,000 टन या 25 मिलियन किलोग्राम से अधिक सोना हो गया था। यह देश की संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा है। ये स्वर्ण भंडार भारत की अर्थव्यवस्था को सहारा देने में भी भूमिका निभाता है, जो देश के सकल घरेलू उत्पाद का 40 फीसदी है।

आरबीआई के पास कितना गोल्ड है?

RBI पिछले कई महीनों से लगातार गोल्ड खरीद रहा है। फिलहाल, आरबीआई के कुल विदेशी मुद्रा भंडार में गोल्ड की हिस्सेदारी बढ़कर 10.2 फीसदी तक पहुंच गई है।

केंद्रीय बैंक के लेटेस्ट डेटा के मुताबिक, नवंबर के अंत में देश का गोल्ड रिजर्व बढ़कर 876.18 टन पर पहुंच गया। यह पिछले साल के मुकाबले 9 फीसदी ज्यादा है। 1 दिसंबर 2023 को देश का गोल्ड रिजर्व 803.58 टन था।

एक्सपर्ट के मुताबिक, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव को देखते हुए भारत जैसे विकासशील देश अपने गोल्ड रिजर्व में लगाजार इजाफा कर रहे हैं। इससे वित्तीय संकट के दौर में देश की अर्थव्यवस्था को संभालने में मदद मिलती है।

2025 में आख़िर कैसा रहेगा राजनीतिक मतभेदों का पारा?

2025 में भारत का राजनीतिक पटल गरमा गरम रहेगा। दिल्ली और बिहार विधानसभा चुनावों के साथ-साथ बीएमसी के चुनाव भी होंगे। कांग्रेस संगठनात्मक बदलावों पर ध्यान केंद्रित करेगी, जबकि भाजपा और संघ अपने 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में बड़े आयोजन करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी 75 वर्ष के हो जाएंगे और भाजपा को नया राष्ट्रीय अध्यक्ष भी मिलेगा। 2024 भारतीय राजनीति के लिए एक महत्त्वपूर्ण साल था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सत्ता बरकरार रखी, लेकिन विपक्षी दलों ने भी अपनी चुनौती पेश की। राज्य चुनावों, किसान आंदोलनों, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों ने राजनीति को नया मोड़ दिया। यह साल यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब केवल दो प्रमुख दलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि क्षेत्रीय और समाजवादी दल भी राष्ट्रीय राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 2024 ने यह साबित किया कि भारतीय राजनीति में 2025 में और अधिक बदलाव और संघर्ष देखने को मिल सकता है।

डॉ सत्यवान सौरभ

लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक-जिसे अब संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है-भाजपा की इस बात की परीक्षा लेगा कि वह इस मामले में अपनी बात मनवा पाती या नहीं। पिछले 10 वर्षों में, भाजपा विवादास्पद कानून पारित करवाने में सफल रही है, जिसमें जम्मू-कश्मीर को विभाजित करने और (पूर्ववर्ती) राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदलने का विधेयक भी शामिल है। अब स्थिति अलग है। लगभग पूरा विपक्ष एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट है। जाति, जनगणना, यूसीसी ऐसे वर्ष में जब केंद्र सरकार विलंबित दशकीय जनगणना अभ्यास शुरू करने का इरादा रखती है, जाति पर बयानबाजी और भी तीखी हो जाएगी। बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार जनगणना में जाति को शामिल करेगी।

वर्ष 2025 चुनावों से परे देखने का एक अवसर प्रदान करता है। 2024 में, भारत, में राजनीति ने आश्चर्यजनक मोड़ लिया। ये घटनाक्रम कुछ जगहों पर अभूतपूर्व थे, दूसरों में तेज़ या अप्रत्याशित थे। इसने दिखा दिया कि भारतीय राजनीति में अब क्षेत्रीय दलों की ताकत लगातार बढ़ रही है और भविष्य में ये दल राष्ट्रीय राजनीति में अहम भूमिका निभा सकते हैं। 2025 में चुनावों से परे देखने का मौका मिलेगा। यह शायद ऐसा साल होगा जिसमें शासन केंद्र में होगा। 2024 के लोकसभा चुनाव का एक संदेश यह था कि लोग संयम के साथ निरंतरता को प्राथमिकता देते हैं। लेकिन ऐसा लगता है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ने जानबूझकर जनादेश को ग़लत तरीके से पढ़ने का विकल्प चुना है। उनकी राजनीतिक स्थिति सख्त हो गई है और उन्होंने अपनी कटु प्रतिद्वंद्विता को रोज़मर्रा की राजनीति, संसद और उससे परे तक ले गए हैं।

संसद में घिनौना हंगामा और विपक्ष के नेता राहुल गांधी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने से दुश्मनी और बढ़ेगी। हालात सामान्य होने के लिए दोनों पक्षों को अपने-अपने राजनीतिक और वैचारिक लक्ष्यों को आगे बढ़ाने के साथ ही संवाद और बातचीत के लिए कोई बीच का रास्ता निकालना होगा। ऐसा लगता नहीं है कि मंदिर और मस्जिद पर राजनीति 2025 में ख़त्म हो जाएगी। 10 मस्जिदों / मजारों से जुड़ी कम से कम 18 याचिकाएँ इस समय अदालतों में लंबित हैं। मुस्लिम स्थलों पर हिंदू अधिकारों का दावा करने वाले नए मुकदमों में से अधिकांश उत्तर प्रदेश में दायर किए गए हैं। विधानसभा चुनाव अभी दो साल से ज़्यादा दूर हैं, लेकिन उत्तर प्रदेश में राजनीतिक परिदृश्य अभी से गरमाने लगा है।

2025 में होने वाले प्रमुख विधानसभा चुनाव तीन प्रमुख राजनीतिक ब्रांडों-नीतीश कुमार, अरविंद केजरीवाल और नरेंद्र मोदी के लिए एक परीक्षा होंगे। अक्टूबर-नवंबर 2025 में होने वाला बिहार विधानसभा चुनाव ब्रांड नीतीश के लिए एक बड़ी परीक्षा होगी, जिनका राजनीतिक निधन एक से ज़्यादा बार लिखा जा चुका है। चुनाव में तेजस्वी यादव की राजनीतिक क्षमता का भी परीक्षण होगा, जो लंबे समय से बिहार के मुख्यमंत्री बनने की प्रतीक्षा कर रहे हैं। 2013 से दिल्ली में सत्ता में काबिज अरविंद केजरीवाल आप को लगातार तीसरी बार सत्ता में ला पाएंगे? आज, केजरीवाल की छवि और उनकी राजनीति का ब्रांड दोनों ही दांव पर हैं। प्रधानमंत्री की ब्रांड वैल्यू भी बिहार और दिल्ली दोनों में परखी जाएगी। 2014 से तीन बार सभी सात लोकसभा सीटें जीतने के बावजूद भाजपा ढाई दशक से अधिक समय से दिल्ली में राजनीतिक रूप से निर्जन है।

लोकसभा और विधानसभा चुनावों को एक साथ कराने के लिए एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक-जिसे अब संसद की संयुक्त समिति को भेजा गया है-भाजपा की इस बात की परीक्षा लेगा कि वह इस मामले में अपनी बात मनवा पाती या नहीं। पिछले 10 वर्षों में, भाजपा विवादास्पद कानून पारित करवाने में सफल रही है, जिसमें जम्मू-कश्मीर को विभाजित करने और (पूर्ववर्ती) राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में बदलने का विधेयक भी शामिल है। अब स्थिति अलग है। लगभग पूरा विपक्ष एक राष्ट्र, एक चुनाव प्रस्ताव के खिलाफ एकजुट है। जाति, जनगणना, यूसीसी ऐसे वर्ष में जब केंद्र सरकार विलंबित दशकीय जनगणना अभ्यास शुरू करने का इरादा रखती है, जाति पर बयानबाजी और भी तीखी हो जाएगी। बड़ा सवाल यह है कि क्या सरकार जनगणना में जाति को शामिल करेगी।

जाति और सामाजिक न्याय का मुद्दा भाजपा के हिंदुत्व के अभियान का मुकाबला कर सकता है और इसी कारण से भाजपा ₹बटेंगे तो कटेंगे₹ और ₹एक हैं तो सुरक्षित हैं₹ जैसे राजनीतिक नारे दे रही है। यूसीसी को आगे बढ़ाने के प्रयास राजनीति में नई दरार पैदा कर सकते हैं। बी आर अंबेडकर की विरासत को लेकर संसद में बयानबाजी से संकेत मिलता है कि दस्ताने पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। प्रधानमंत्री ने मौजूदा ₹सांप्रदायिक नागरिक संहिता₹ के बजाय ₹धर्मनिरपेक्ष नागरिक संहिता₹ की ओर बढ़ने की आवश्यकता पर ज़ोर दिया। 2024 का साल भारतीय राजनीति में महत्त्वपूर्ण बदलावों और घटनाओं से भरा रहा। यह साल ख़ास तौर पर लोकसभा चुनाव, विपक्षी एकजुटता, राज्यों में राजनीतिक बदलाव और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार के लिए चुनौतियों का साल रहा। साथ ही, यह दिखाता है कि बीजेपी को राज्यों में अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए लगातार कड़ी मेहनत करनी होगी।

2024 भारतीय राजनीति के लिए एक महत्त्वपूर्ण साल था, जिसमें भारतीय जनता पार्टी ने अपनी सत्ता बरकरार रखी, लेकिन विपक्षी दलों ने भी अपनी चुनौती पेश की। राज्य चुनावों, किसान आंदोलनों, राष्ट्रीय सुरक्षा और सामाजिक मुद्दों ने राजनीति को नया मोड़ दिया। यह साल यह दिखाता है कि भारतीय राजनीति अब केवल दो प्रमुख दलों तक सीमित नहीं रही, बल्कि क्षेत्रीय और समाजवादी दल भी राष्ट्रीय राजनीति में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। 2024 ने यह साबित किया कि भारतीय राजनीति में 2025 में और अधिक बदलाव और संघर्ष देखने को मिल सकता है।

स्कॉर्पियो-हाइवा टक्कर: 2 की मौत, 2 गंभीर रूप से घायल

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

राउरकेला /भूबनेश्वर : खंडाधार जलप्रपात के पास जंगल में बह जाने से पहले सड़क दुर्घटना में दो लोगों की मौत हो गई। अन्य दो की हालत अधिक गंभीर थी। यह घटना रविवार दोपहर को हुई जब राष्ट्रीय राजमार्ग 143 पर चांदीपोस पुलिस थाने के सामने एक स्कॉर्पियो और हाइवा की आमने-सामने टक्कर हो गई। स्कॉर्पियो ने नियंत्रण खो दिया और राष्ट्रीय राजमार्ग के बाईं ओर से दाईं ओर मुड़ गई, तथा हाईवे से टकरा गई ।तेज गति से चल रही स्कॉर्पियो पूरी तरह से नष्ट हो गई है। स्कॉर्पियो चला रहे जायसवाल मोटर्स के सेल्स मैनेजर आदित्य रावल (28) और सेल्समैन बिपिन कुमार सेठी (26) की घटनास्थल पर ही मौत हो गई ।स्कॉर्पियो के अंदर फंसे सेल्स मैनेजर आदित्य को करीब एक घंटे बाद बचा लिया गया। दो अन्य सेल्समैन शेख रमजान और पीयूष साहू की हालत गंभीर है। दोनों को गंभीर हालत में राउरकेला सरकारी अस्पताल (आरजीएच) में भर्ती कराया गया। शेख रमजान की हालत गंभीर होने के कारण उन्हें एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। चांदीपोसा पुलिस ने दोनों मृतकों के शव बरामद कर लिए हैं और उन्हें पोस्टमार्टम के लिए आरजीएच मुर्दाघर में रखवा दिया है। दुर्घटना में शामिल दोनों वाहनों को जब्त कर लिया गया है तथा घटना की जांच जारी है।

संभल में मस्जिद के पास पुलिस चौकी बनाने पर भड़के ओवैसी, कहा- BJP स्कूल-कॉलेज क्यों नहीं बनवा सकती

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन के सांसद ओवैसी ने पूछा कि सरकार संभल में एक ऐतिहासिक मस्जिद के पास पुलिस चौकी का निर्माण क्यों कर रही है? आखिर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी सुविधाएं देने में नाकाम क्यों है?

संभल में जामा मस्जिद के पास पुलिस चौकी बनाए जाने को लेकर एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने सरकार पर सांप्रदायिक मानसिकता का आरोप लगाते हुए कहा कि मुस्लिम बहुल इलाकों में स्कूल, अस्पताल और सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने के बजाय सरकार वहां पुलिस चौकियां बना रही है। इसके साथ ही उन्होंने सरकार पर सांप्रदायिक मानसिकता को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

बुनियादी सुविधाए देने में नाकाम क्यों सरकार: ओवैसी

ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के सांसद ओवैसी ने पूछा कि सरकार संभल में एक ऐतिहासिक मस्जिद के पास पुलिस चौकी का निर्माण क्यों कर रही है? आखिर शिक्षा और स्वास्थ्य सेवा जैसी बुनियादी सुविधाएं देने में नाकाम क्यों है? उन्होंने कहा, 'कई अध्ययन किए गए हैं जो स्पष्ट रूप से दिखाते हैं कि सरकारों ने कभी यह सुनिश्चित नहीं किया कि जहां मुस्लिमों की संख्या अधिक है वहां स्कूल, अस्पताल या कॉलेज जैसी सुविधाएं दी जाएं। सरकार ऐसे इलाकों में सार्वजनिक सेवाएं प्रदान करने में नाकाम रही है।'

भाजपा सरकार पर बड़ा आरोप

उन्होंने आगे डार्टमाउथ कॉलेज एमआईटी के पॉल लोवोसाद द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन की ओर इशारा किया, जिसमें बताया गया है कि सरकारों ने कितना भेदभाव किया है, विशेष रूप से भाजपा सरकार ने सार्वजनिक सेवाएं प्रदान नहीं करने में भेदभाव किया है।

मुस्लिमों में साक्षरता दर कम

उन्होंने मुस्लिम महिलाओं में स्कूल छोड़ने की चिंताजनक दर, कम साक्षरता दर, मुस्लिम समुदाय में स्नातकों की सीमित संख्या तथा चिकित्सा संबंधी गंभीर मुद्दों पर भी प्रकाश डाला। एआईएमआईएम सांसद ने कहा, 'यदि आपके पास संभल में ऐतिहासिक मस्जिद के ठीक सामने पुलिस चौकी बनाने के साधन हैं, तो आप संभल में स्कूल, कॉलेज और अस्पताल क्यों नहीं बना सकते? यह तो सबको ही पता है कि मुस्लिम महिलाओं के स्कूल छोड़ने की दर सबसे अधिक है। यह भी एक ज्ञात तथ्य है कि मुस्लिमों में साक्षरता दर कम है। यह एक ज्ञात तथ्य है कि मुस्लिम समुदाय में स्नातकों की संख्या सबसे कम है।'

विश्व एड्स दिवस पर सामाजिक ट्रस्ट द्वारा लोगों को किया गया जागरूक

डॉ हृदयेश कुमार

फरीदाबाद हरियाणा सैक्टर 3 जाट भवन में आम लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जागरूक किया और बताया गया हर साल 1 दिसंबर को विश्व एड्स दिवस (World AIDS Day) मनाया जाता है। इस दिन को मनाने का मुख्य लक्ष्य एचआईवी/एड्स (AIDS) के बारे में आम लोगों को जागरूक करने के लिए अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट द्वारा जगह जगह पर जन सभा में सभी प्रकार से लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी और रोकथाम के लिए आवश्यक जानकारी प्रदान करने के लिए आप सभी को जानकारी देते हैं और इस गंभीर बीमारी से संबंधित सभी मिथकों को खत्म करने के लिए लोगों को प्रेरित करना है (World AIDS Day Significance)। इसलिए इस दिन एड्स और एचआईवी (HIV) से जुड़ी जरूरी बातों के बारे में लोगों को जागरूक बनाने के लिए कई कार्यक्रम (World AIDS Day 2024 Celebrations) आयोजित किए जाते हैं। विश्व एड्स दिवस (World AIDS Day) हमें एचआईवी/एड्स के बारे में जागरूकता फैलाने, एचआईवी संक्रमित लोगों के प्रति सहानुभूति दिखाने और इस बीमारी से लड़ने के लिए एक साथ आने का मौका देता है। इस दिन अलग-अलग कार्यक्रमों, सेमिनारों और जागरूकता अभियानों का आयोजन किया जाता है। इस दिन को मनाने की शुरुआत 1988 में हुई थी (World AIDS Day History)। आइए जानते हैं एचआईवी और एड्स से जुड़ी कुछ जरूरी बातों के बारे में। इस बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए लोगों को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्रदान करता है। इस दिन को वैश्विक रूप से सर्वाधिक महत्वपूर्ण अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वास्थ्य संबंधी जागरूक करना है बल्कि उन लोगों को भी याद भी करता है जिनकी मौत एचआईवी/एड्स के कारण हुई है। यह स्वास्थ्य सेवाओं तक विस्तारित पहुंच जैसे मील के पत्थर का भी उत्सव मनाता है। एचआईवी जैसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्वास्थ्य मुद्दे के बारे में जजानकारी को बढ़ावा देकर उसका उपचारों के लिए अभिन्न सेवाओं पर कार्य करता है।

अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने बताया कि विश्व एड्स दिवस 2024 का विषय, ₹सही रास्ता अपनाएं मेरा स्वास्थ्य, मेरा परिवार है, जो स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और लोगों को अपने स्वास्थ्य प्रबंधन में सशक्त बनने के महत्व पर बल देता है। है। एचआईवी/एड्स पर संयुक्त राष्ट्र कार्यक्रम (यूएनएड्स) द्वारा जारी वैश्विक एड्स अपडेट 2023 के अनुसार, वैश्विक स्तर पर एचआईवी/एड्स से लड़ने में महत्वपूर्ण प्रगति प्राप्त की गई है। भारत जैसे देशों में नए एचआईवी संक्रमण मामलों में कमी आई है, जहां एक मजबूत कानूनी संरचना और बढ़े हुई वित्तीय निवेशों ने 2030 तक एड्स को सार्वजनिक स्वास्थ्य खतरे के रूप में समाप्त करने के लक्ष्य की प्राप्ति करने की दिशा में प्रगति की है। सूत्रों के अनुसार राष्ट्रीय स्तर पर, भारत एचआईवी अनुमान 2023 रिपोर्ट से पता चलता है कि भारत में 25 लाख से ज्यादा लोग एचआईवी से पीड़ित हैं। इसके बावजूद, देश ने उल्लेखनीय प्रगति की है, जिसमें वयस्क एचआईवी प्रसार 0.2% दर्ज किया गया है और अनुमान है कि वार्षिक रूप से नए एचआईवी संक्रमणों की संख्या 66,400 है, जिसमें 2010 के बाद से 44% की कमी आयी है। भारत ने 39% की वैश्विक कमी दर को पीछे छोड़ दिया है, जो निरंतर किए गए मध्यवर्तनों की सफलता को दर्शाता है। ।95% उच्च जोखिम वाले व्यक्ति तक व्यापक रोकथाम सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित करना है

यह सुनिश्चित करके ऊर्ध्वाधर ट्रांसमिशन का समाप्त करना कि एचआईवी ग्रसित 95% गर्भवती महिलाओं ने वायरल लोड का दमन किया है।

विश्व एड्स दिवस 2024 एचआईवी/एड्स की समाप्ति की दिशा में किए जाने वाले कार्यों की याद दिलाता है। एनएसीपी का पांचवां चरण और इसके अधिकार-आधारित दृष्टिकोण के माध्यम से, भारत ने रोकथाम, उपचार एवं देखभाल में महत्वपूर्ण प्रगति प्राप्त की है। इसका विषय ₹सही रास्ता अपनाएं: मेरा स्वास्थ्य, मेरा परिवार !₹ 1 ट्रस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने कहा कि एचआईवी (Human Immunodeficiency Virus) एक ऐसा वायरस है, जो शरीर की इम्युनिटी को कमजोर कर देता है। एड्स (Acquired Immune Deficiency Syndrome) एचआईवी संक्रमण का अंतिम चरण है। जब एचआईवी शरीर में प्रवेश करता है, तो यह टी-सेल्स को नष्ट करना शुरू कर देता है। टी-सेल्स शरीर के इम्युन सिस्टम का एक जरूरी हिस्सा हैं। जब टी-सेल्स की संख्या बहुत कम हो जाती है, तो शरीर किसी मामूली इन्फेक्शन से भी लड़ने में असमर्थ हो जाता है। जिसके कारण व्यक्ति की उस बीमारी की वजह से मौत हो जाती है।

2025 में माताओं को तीन बार सुभद्रा रुपया मिलेगा : डेपुटी मुख्यमंत्री प्रभाति परिडा

मनोरंजन सासमल , स्टेट हेड ओड़िशा

भूबनेश्वर : सुभद्रा आवेदकों के लिए अच्छी खबर। अंग्रेजी वर्ष 2024 अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है और एक और अंग्रेजी नववर्ष शुरू होने वाला है। नए साल के आगमन के स्वागत के लिए जहां हर कोई तरह-तरह से तैयारियां शुरू कर रहा है, वहीं उपमुख्यमंत्री ने साल के अंत में एक बड़ी घोषणा की है।2025 में माताओं को तीन बार सुभद्रा रुपया मिलेगा।जनवरी माह में सुभद्रा योजना के प्रथम चरण की चौथी किस्त लाभार्थियों को वितरित की जाएगी। इसी प्रकार, धनराशि की दूसरी किश्त 8 मार्च को एक साथ एक करोड़ महिलाओं को वितरित की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि रक्षा पूर्णिमा पर भी महिलाओं के खातों में सुभद्रा राशि हस्तांतरित की जाएगी। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि सर्वेक्षण रिपोर्ट आज आ जाएगी।

बालाजी नगर स्थित श्री आईजी गौशाला में सोमवती अमावस्या पर गौसेवा एवं भजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अवसर पर अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, उपाध्यक्ष कालुराम काग, कोषाध्यक्ष,नारायणलाल परिहार, भगाराम मुलैवा, मोहनलाल हाम्बड़, अर्जुनलाल बर्फा,गणेशराम बर्फा, पवन हाम्बड़, महेन्द्र सिंह राजपूत ,प्रकाश चोयल, मोतीलाल काग, नारायणलाल आगलेचा, नेमाराम हाम्बड़, हेमाराम सैणचा, जोगाराम कुमावत,बाबूलाल बर्फा, नारायणलाल बर्फा ,जयराम, जगदीश मालविया, माधुराम चोयल, अर्जुन लाल बर्फा, मांगीलाल सोलंकी ,कालूराम काग चितल, दुर्गाप्रसाद हाम्बड़ ,गोपाराम मुलेवा, मोतीलाल काग, शंकरलाल बर्फा,हीरालाल चोयल, मांगीलाल काग, किशनलाल पंवार,तुलसाराम सिन्दडॉ, सोहन सिंह राजपुरोहित,पारसमल शर्मा, जगदीश सीरवी सुरेश सैणचा, दुर्गाराम मुलेवा,भुराराम काग, शंकर गौड़, व अन्य उपस्थित थे। भजन कार्यक्रम में अचलाराम हाम्बड़, मोहनलाल भायल , पारसनाथ, सोहननाथ ओमप्रकाश कुमावत ने भक्ति गीत प्रस्तुत किए। महा प्रसादी लाभार्थी डायाराम लचेटा,लीकमाराम लचेटा, पोकरराम लचेटा, रामलाल राठौड़,गोपाराम चोयल, बाबूलाल बर्फा, ढगलाराम मुलेवा, प्रकाश चोयल द्वारा महाप्रसादी का आयोजन किया गया।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क : 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। **RNI No :- DELHIN/2023/86499. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023**